राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

समय दर्शन

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

वर्ष 14, अंक 316 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये दुर्ग, शनिवार 27 सितंबर 2025 www.samaydarshan.in

संक्षिप्त समाचार

बुजुर्ग पिता के हक में सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला, बेटे को संपत्ति खाली कर वापस लौटाने का आदेश

नई दिल्ली। सर्वोच्च न्यायालय ने एक 80 वर्षीय पिता को बड़ी राहत देते हुए उनके बेटे को मुंबई स्थित दो संपत्तियों को खाली करने का आदेश दिया है। शीर्ष अदालत ने स्पष्ट किया कि माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण और कल्याण अधिनियम, 2007 के तहत ट्रिब्यूनल को यह अधिकार है कि वह बुजुर्गों की संपत्ति से उनके बच्चों या रिश्तेदारों को बेदखल करने का आदेश दे सके, अगर वे अपने भरण-पोषण के दायित्व का उल्लंघन करते हैं। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने इस मामले में बॉम्बे हाई कोर्ट के अप्रैल के फैसले को पलट दिया। हाई कोर्ट ने अपने फैसले में ट्रिब्यूनल के उस आदेश को रद्द कर दिया था जिसमें बेटे को पिता की संपत्तियां लौटाने का निर्देश दिया गया था।

सुप्रीम कोर्ट ने 2007 के अधिनियम का हवाला देते हुए कहा कि इस कानून का उद्देश्य वृद्ध व्यक्तियों की कठिनाइयों को दूर करना और उनकी देखभाल व सुरक्षा सुनिश्चित करना है। पीठ ने टिप्पणी की, एक कल्याणकारी कानून होने के नाते, इसके लाभकारी उद्देश्य को आगे बढ़ाने के लिए इसके प्रावधानों की उदारतापूर्वक व्याख्या की जानी चाहिए। न्यायालय ने जोर देकर कहा कि यदि कोई बच्चा या रिश्तेदार वरिष्ठ नागरिक के भरण-पोषण के अपने दायित्व का उल्लंघन करता है, तो ट्रिब्यूनल को उन्हें संपत्ति से बेदखल करने का आदेश देने का पूरा अधिकार है।

याचिकाकर्ता 80 वर्षीय व्यक्ति हैं और उनकी पत्नी 78 वर्ष की हैं। उन्होंने मुंबई में दो संपत्तियां खरीदी थीं। बाद में वह अपनी पत्नी के साथ उत्तर प्रदेश चले गए और संपत्तियों को अपने बच्चों के पास छोड़ दिया। उनके बड़े बेटे ने दोनों संपत्तियों पर कब्जा कर लिया और अपने माता-पिता को वहां रहने की अनुमति नहीं दी।

आर्थिक रूप से सक्षम होने के बावजूद बेटे ने पिता को उन्हीं की संपत्ति से बेदखल कर अपने वैधानिक दायित्वों का उल्लंघन किया। इसके बाद, बुजुर्ग दंपति ने जुलाई 2023 में भरण-पोषण और संपत्ति वापस पाने के लिए ट्रिब्यूनल में अर्जी दायर की। ट्रिब्यूनल ने बेटे को दोनों संपत्तियां पिता को सौंपने और 3,000 रुपये मासिक भरण-पोषण देने का निर्देश दिया। इस फैसले को अपीलीय ट्रिब्यूनल ने भी बरकरार रखा।

शौर्य के 6 दशक बाद 'आसमान का बाज़' मिग-21 रिटायर

नई दिल्ली। भारतीय वायुसेना का पहला सुपरसोनिक लड़ाकू विमान मिग-21, छह दशकों तक देश के आसमान की रक्षा करने के बाद आज यानी शुक्रवार, 26 सितंबर को सेवा से रिटायर हो जाएगा। इस ऐतिहासिक विमान को विदाई देने के लिए चंडीगढ़ में एक भव्य समारोह का आयोजन किया गया है, जहां वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह खुद मिग-21 के 'बादल' फॉर्मेशन को उड़ाकर इस गौरवशाली अध्याय का समापन करेंगे। 1963 में भारतीय वायुसेना के बेड़े में शामिल हुआ रूस निर्मित मिग-21 अपनी ध्वनि से तेज रफ्तार (मैक 2) और अचूक मारक क्षमता के लिए जाना जाता था। इसने कई युद्धों में भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई और 2019 में पाकिस्तान के अत्याधुनिक एफ-16 विमान को मार गिराकर अपनी श्रेष्ठता साबित की थी। इसके रिटायरमेंट से वायुसेना की स्क्वाइन संख्या में अस्थायी रूप से कमी आएगी।

मलबे में कई मजदूरों के दबने की आशंका

सिलतरा में स्टील प्लांट का ढांचा गिरने से छह मजदूरों की मौत, कई घायल

रायपुर(समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में शुक्रवार को एक बड़ा हादसा हो गया। यहां की सिलतरा स्थित एक निजी स्टील प्लांट में निर्माणाधीन ढांचा (सिल्ली) गिरने से छह मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं छह मजदूर घायल हैं, जिसमें से दो की हालत गंभीर बताई जा रही है। जिला प्रशासन ने घायलों को इलाज के लिए देवेंद्र नगर स्थित एक प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया है। घटना धरसींवा पुलिस चौकी क्षेत्र की है। इस हादसे में मृतकों की संख्या बढ़ सकती है।

सूचना मिलते ही पुलिस और रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंची। घायलों को मलबे से निकालने का कार्य जारी है। बताया जाता है कि मलबे में कई लोग दबे हुए हैं। फिलहाल, रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है।

छह मजदूरों का शव नारायणा अस्पताल लाया गया है। वहीं छह से अधिक घायलों को देवेंद्र नगर स्थित निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां पर इलाज चल रहा है।

स्थानीय प्रशासन ने मृतकों के परिजनों को सांत्वना दी है और घायलों के समुचित इलाज का आश्वासन दिया है। हादसे के बाद इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बना हुआ है।

सीएम साय ने शोक व्यक्त किया

इस हादसे को लेकर प्रदेश के मुखिया विष्णुदेव साय ने शोक संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि घटना की जानकारी मिली है। सीएम ने मृत लोगों की आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना करते हुए घायल मजदूरों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की है।

रायपुर एसएसपी लाल उमेद सिंह ने बताया कि यह घटना राजधानी के बाहरी इलाके सिलतरा के गोदावरी पॉवर एंड इस्पात लिमिटेड की है। प्लांट में एक ढाँचे की छत गिर गई। इससे मजदूर उसके नीचे दब गए। इसकी सूचना मिलते ही पुलिस की एक टीम मौके पर भेजी गई है बचाव अभियान जारी है। हादसे में छह मजदूरों की मौत और छह लोग घायल है। मलबे में कुछ और मजदूरों के दबने की आशंका है। बचाव कार्य जारी है।

प्लांट का गेट बंद कर बचाव कार्य जारी है। दूसरी ओर वहां काम करने वाले लोगों के मुताबिक, पिलेट्स बनाने वाली यूनिट में यह हादसा हुआ है। जिस जगह पर निर्माणाधीन प्लांट का ढांचा गिरा वहां पर 12 से ज्यादा मजदूर काम कर रहे थे। चर्चा ये भी है कि फैक्ट्री में गर्म स्लैक गिरने से छह मजदूर उसकी चपेट में आ गये, जो बुरी तरह से झुलसकर काल की गाल में समा गये।

'हमारे लिये ये दुख की घड़ी'

मामले में प्लांट प्रबंधन का कहना है कि हमारे लिये ये दुख की घड़ी है। हमारे साथ काम करने वाले सभी साथी एक परिवार की तरह है, हमारे सहयोगी हैं। प्लांट प्रबंधन दुख की इस घड़ी में उनके साथ है। मृतकों के परिजनों और घायलों के लिए हरसंभव मदद कर रहे हैं। बाकी लोगों से भी सहयोग की अपेक्षा है।

हाईकोर्ट के आदेश पर 'सुप्रीम' मुहर, उत्तराखंड इलेक्शन कमीशन की याचिका खारिज; लगाया दो लाख का जुर्माना

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को उत्तराखंड राज्य निर्वाचन आयोग की उस याचिका को खारिज कर दिया जिसमें उसने उत्तराखंड हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती दी थी। यह मामला ग्राम पंचायत चुनाव में उम्मीदवारों के नाम एक से अधिक मतदाता सूची में होने से जुड़ा था। अदालत ने न केवल याचिका खारिज की बल्कि आयोग पर दो लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया।

जस्टिस विक्रम नाथ और संदीप मेहता की पीठ ने सुनवाई करते हुए कहा कि आयोग का रुख विधि के विपरीत है। अदालत ने पूछा कि आखिर आयोग किस आधार पर वैधानिक प्रावधानों के खिलाफजा सकता है। इस टिप्पणी के साथ पीठ ने आयोग की याचिका को खारिज कर दिया।

हाईकोर्ट का पूर्व आदेश

उत्तराखंड हाईकोर्ट ने जुलाई में आयोग की उस सफाई पर रोक लगाई थी जिसमें कहा गया था कि उम्मीदवार का नाम यदि एक से अधिक

ग्राम पंचायत की मतदाता सूची में दर्ज है तो भी उसका नामांकन पत्र खारिज नहीं किया जाएगा। हाईकोर्ट ने माना था कि यह सफाई उत्तराखंड पंचायती राज अधिनियम, 2016 के प्रावधानों के विपरीत है।

कानून का स्पष्ट प्रावधान

अधिनियम की धारा नौ(छह) और नौ(सात) स्पष्ट रूप से कहती हैं कि कोई भी व्यक्ति एक से अधिक क्षेत्रीय निर्वाचन क्षेत्र की मतदाता सूची में दर्ज नहीं हो सकता। साथ ही, यदि किसी व्यक्ति का नाम किसी नगर निगम, नगरपालिका, नगर पंचायत या छावनी परिषद की मतदाता सूची में दर्ज है तो वह तब तक ग्राम पंचायत की सूची में शामिल नहीं हो सकता जब तक उसका नाम पहली सूची से हटाया न गया हो।

आयोग की दलील और विरोध

निर्वाचन आयोग ने कहा था कि नामांकन पत्र केवल इस आधार पर खारिज नहीं होना चाहिए कि उम्मीदवार का नाम कई मतदाता सूचियों में है। लेकिन हाईकोर्ट ने इसे अस्वीकार कर दिया और कहा कि यह प्रावधान कानून की स्पष्ट मंशा के खिलाफ है। सुप्रीम कोर्ट ने भी हाईकोर्ट के विचार से सहमति जताते हुए आयोग की याचिका को आधारहीन करार दिया। इस पूरे मामले ने चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता और वैधानिक प्रावधानों के पालन पर जोर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने आयोग को यह स्पष्ट संदेश दिया है कि चुनाव प्रक्रिया में किसी भी तरह की ढील या वैधानिक प्रावधानों की अनदेखी स्वीकार नहीं की जाएगी। यह फैसला भविष्य में चुनाव आयोगों की भूमिका और जिम्मेदारियों पर भी असर डाल सकता है।

आई लव मुहम्मद पर बरेली में बवाल, सड़कों पर उतरी भीड़; पुलिस ने किया लाठीचार्ज, छोड़े आंसू गैस के गोले

बरेली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के बरेली शहर में जुमे की नमाज के बाद 'आई लव मोहम्मद' के बैनर और नारों को लेकर भारी बवाल मच गया। थाना कोतवाली क्षेत्र के बिहारीपुर पुलिस चौकी के पास स्थित मस्जिद के बाहर सैकड़ों नमाजियों ने प्रदर्शन शुरू कर दिया। नमाजियों ने सड़क पर उतरकर 'आई लव मोहम्मद' के अलावा 'नारा-ए-तकदीर' जैसे नारे लगाए और बैनर लहराए। भीड़ का दबाव इतना बढ़ गया कि पुलिस को लाठीचार्ज और आंसू गैस के गोले छोड़ने पड़े।

यह विवाद कानपुर से शुरू हुआ था, जहां जश्न-ए-ईद-मिलादुन्नबी के जुलूस में 'आई लव मोहम्मद' के बैनर लगाने पर 25 मुस्लिम युवकों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई थी। बरेली की प्रसिद्ध

दरगाह आला हजरत ने इस कार्रवाई की कड़ी निंदा की थी और जमात रजा-ए-मुस्तफा के नेतृत्व में शहर भर में समर्थन में पोस्टर अभियान चलाया गया।

पिछले सप्ताह से ही जखीरा, आजमनगर, बिहारीपुर, कोहाड़ापीर, गुलाब नगर, शहामतगंज, किला, जोगी नवादा, हजियापुर, शाहदाना और सेटेलाइट सिटी जैसे इलाकों में ये बैनर लगाए गए थे। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि यह पैगंबर मोहम्मद के प्रति प्रेम और सम्मान की अभिव्यक्ति है, जो संविधान द्वारा प्रदत्त अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के दायरे में आती है।

जिले में जुमे की नमाज के बाद स्थिति बेकाबू हो गई। बरेली के इस्लामिया ग्राउंड में मौलाना तौकीर रजा ने मुस्लिम समुदाय से शांतिपूर्ण प्रदर्शन की अपील की थी। नमाज खत्म होते ही सैकड़ों लोग सड़क पर उतर आए। वे जबरन ग्राउंड में घुसने की जिद पर अड़े रहे।

रायपुर लाकर 2 नक्सलियों की हत्या का आरोप सुप्रीम कोर्ट जाने की तैयारी में परिजन

अबूझमाड़ मुठभेड़ को नक्सलियों ने बताया फर्जी

जगदलपुर (समय दर्शन)। नारायणपुर के अबूझमाड़ जंगल में 22 सितंबर को हुई मुठभेड़ को लेकर नक्सलियों ने गंभीर आरोप लगाए हैं. माओवादी संगठन के दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी के विकल्प की ओर से जारी पर्चे में कहा गया है कि यह मुठभेड़ फर्जी है और उनके दो सेंट्रल कमेटी सदस्य कट्टा रामचंद्र रेड्डी उर्फ राजू दादा और कडरी सत्यनारायण रेड्डी उर्फ कोसा दादा की हत्या गिरफ्तारी के बाद की गई. जानकारी के मुताबिक, मुठभेड़ में मारे गए कोसा दादा का शव उनके परिजन तेलंगाना ले गए, लेकिन सेंट्रल कमेटी के नक्सली राजू दादा के शव को उनकी पत्नी ने लेने से इनकार कर दिया. नक्सलियों ने आरोप लगाया है कि रामचंद्र रेड्डी को पहले रायपुर से गिरफ्तार कर नारायणपुर लाया गया और फिर हत्या की गई. इस मामले में मृत नक्सलियों के परिजन सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर करने की तैयारी कर रहे हैं. उन्होंने शव का दोबारा पोस्टमार्टम कराने की मांग की है. साथ ही पर्चे में पुलिस पर झूठी कहानी गढ़ने और सच्चाई छिपाने का आरोप लगाया है.

लद्दाख पर अब एक्शन मोड में आई मोदी सरकार, दिल्ली से भेजा दूत; एलजी ने बुलाई मीटिंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। लद्दाख में उपद्रव और हिंसा के बाद फिलहाल माहौल शांत है, लेकिन हालात अभी भी तनावपूर्ण बने हुए हैं। पूर्ण राज्य का दर्जा और संविधान की छठी अनुसूची के तहत स्वायत्तता की मांग को लेकर बीते दिनों भारी बवाल हुआ था।

स्थिति को काबू में रखने के लिए केंद्र सरकार ने दिल्ली से एक विशेष दूत भेजा है, जो स्थानीय प्रतिनिधियों और संगठनों से बातचीत कर समाधान की कोशिश करेगा। इसी बीच उपराज्यपाल कविंद्र गुप्ता की अध्यक्षता में उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक बुलाई गई है। इसमें चीफ सेक्रेटरी पवन कोतवाल, डीजीपी एसडी सिंह

जम्वाल, सेना और आईटीबीपी के वरिष्ठ अधिकारी शामिल होंगे। बैठक में हिंसा के कारणों और सुरक्षा एजेंसियों की चूक पर चर्चा होगी।

सुरक्षा कड़ी, 50 हिरासत में

लेह में सख्त कर्फ्यू लागू है। हालांकि यदि हालात सामान्य रहे तो आज शाम तक कुछ ढील दी जा सकती है। पुलिस अब तक करीब 50 लोगों को हिरासत में ले चुकी है। संवेदनशील इलाकों में अर्धसैनिक बलों और पुलिस का लगातार मार्च जारी है।

संकट से जूझते लोग

कर्फ्यू की वजह से लोगों को राशन, दूध और सब्जियों जैसी जरूरी चीजों की किल्लत का सामना करना पड़ रहा है। इसी कारण सरकार ने बुनियादी सामान खरीदने के लिए सीमित समय पर छूट देने का निर्णय लिया है। शुक्रवार और शनिवार को लेह के सभी स्कूल-कॉलेज बंद रखने के आदेश दिए गए हैं।

भूख हड़ताल समाप्त, जांच की मांग

उपद्रव के बाद ऐक्टिविस्ट सोनम वांगचुक ने अपनी 15 दिन की भूख हड़ताल समाप्त कर दी। उनका कहना था कि हिंसा से आंदोलन की भावना को ठेस पहुंची है। वहीं, लद्दाख के निर्दलीय सांसद मोहम्मद हनीफा ने पुलिस फायरिंग पर सवाल उठाए और जांच की मांग की। उन्होंने कहा कि जनता की मांगें जायज़ हैं और सरकार को गंभीरता से विचार करना चाहिए।

समान नागरिक संहिता वक्त की जरूरत-हाईकोर्ट

पर्सनल लॉ में बाल विवाह की परमिशन, लेकिन पॉक्सो में क्राइम; यूसीसी टकराव रोक सकता है

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट ने शुक्रवार को देश में समान नागरिक संहिता लागू करने की वकालत की। कोर्ट ने कहा कि पर्सनल लॉ बाल विवाह की परमिशन देता है, जबकि पॉक्सो एक्ट, बीएनएस में यही अपराध है। इन कानूनों के बीच बार-बार होने वाले टकराव को देखते हुए इसकी कानूनी रूप से स्पष्ट व्याख्या जरूरी है।

जस्टिस अरुण मोंगा ने पूछा कि अक्सर हम इस दुविधा में आ जाते हैं कि क्या समाज को लंबे समय से चले आ रहे पर्सनल लॉ का पालन करने के लिए अपराधी बनाया जाना चाहिए।

जस्टिस मोंगा ने कहा कि क्या अब यूसीसी की तरफ बढ़ने का समय नहीं आ गया है। जिसमें एक ऐसा ढांचा बनाया जाए, ताकि पर्सनल लॉ जैसे कानून राष्ट्रीय कानूनों पर हावी न हों।

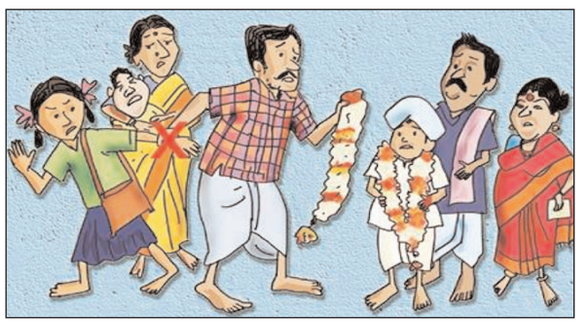

दिल्ली हाईकोर्ट की यह टिप्पणी नाबालिग लड़की से शादी करने के आरोपी हामिद रजा की जमानत याचिका से जुड़े केस की सुनवाई के दौरान सामने आई।

हामिद पर बीएनएस की धारा 376 और पॉक्सो एक्ट के तहत आरोप है कि उसने नाबालिग लड़की से शादी की। रजा के खिलाफ एफआईआर लड़की के सौतेले पिता ने की थी।

हालांकि कोर्ट ने कहा कि मौजूदा मामले में, नाबालिग रजा की गिरफ्तारी से पहले उसके साथ रह रही थी। उसके पिता ने अपना अपराध छिपाने के लिए एफआईआर की थी। हामिद रजा को जमानत दे दी।

उत्तराखंड यूसीसी लागू करने वाला देश का पहला राज्य

उत्तराखंड यूनिफॉर्म सिविल कोड लागू करने वाला देश का पहला राज्य बन चुका है। 27 जनवरी 2025 में सीएम पुष्कर सिंह धामी ने इसका ऐलान किया था। यूसीसी लागू होने के बाद से उत्तराखंड में हलाला, बहुविवाह, तीन तलाक पर पूरी तरह रोक लग गई है।

उत्तराखंड, गोवा के बाद पहला राज्य है, जहां यूसीसी लागू हुआ। भले ही गोवा में पहले से ही ष्ट लागू है, लेकिन वहां इसे पुर्तगाली सिविल कोड के तहत लागू किया गया था। उत्तराखंड आजादी के बाद समान नागरिक संहिता लागू करने वाला पहला राज्य बना है।

मुस्लिम पर्सनल लॉ में क्या है शादी का नियम

इस्लामी पर्सनल लॉ किसी लड़की के यौवन शुरू होने पर शादी की परमिशन देता है। जिसे 15 साल माना जाता है, जबकि IPC-BNS और पॉक्सो एक्ट नाबालिगों की शादी या यौन संबंधों पर प्रतिबंध लगाते हैं। ये कानून धार्मिक रीति-रिवाजों की परवाह किए बिना ऐसी शादियों और रिश्तों को अपराध मानते हैं।

कोर्ट ने सुनवाई के दौरान कहा कि हामिद के केस में उसने जानबूझकर इस शादी की वैधता पर कोई फैसला देने से परहेज किया है। केस में कुछ विचलित करने वाले पॉइंट्स मिले। मसलन एफआईआर नाबालिग लड़की की मां ने दर्ज कराई थी, लेकिन उस पर उसके सौतेले पिता के दस्तखत थे। सौतेले पिता पर लड़की के यौन उत्पीड़न करने और उसके पहले बच्चे के पिता होने के आरोप में मुकदमा चल रहा है। इसलिए एफआईआर के दावों पर संदेह है। दस्तावेजों में लड़की की बर्थ डेट 2010 से 2011 के बीच थी। अस्पताल के रिकॉर्ड में उसकी पहली डिलीवरी के समय उसकी उम्र 17 साल बताई थी।

इलाहाबाद हाई कोर्ट ने खारिज की राहुल गांधी की याचिका, सिखों की धार्मिक स्वतंत्रता पर बयान का मामला

प्रयागराज (एजेंसी)। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की याचिका को खारिज कर दिया है। उन्होंने यह याचिका वाराणसी की एमपी/एमएलए स्पेशल कोर्ट के 21 जुलाई 2025 के आदेश के खिलाफ दायर की थी।

दरअसल, वाराणसी की एमपी/एमएलए स्पेशल कोर्ट ने सिख समुदाय पर उनके कथित बयान के खिलाफ निगरानी याचिका को स्वीकार किया था। इस आदेश के खिलाफ उन्होंने इलाहाबाद हाई कोर्ट का रुख किया था, लेकिन उन्हें वहां से भी झटका लगा। जस्टिस समीर जैन की सिंगल बेंच ने शुक्रवार दोपहर दो बजे उनकी याचिका पर फैसला सुनाते हुए उसे खारिज कर दिया।

गौरतलब है कि सितंबर 2024 में अपनी अमेरिका यात्रा के दौरान वाशिंगटन डीसी में एक कार्यक्रम में राहुल गांधी ने सिख समुदाय की धार्मिक स्वतंत्रता पर टिप्पणी की थी। उन्होंने कथित तौर पर कहा था कि भारत में सिखों को अपनी आस्था (जैसे पगड़ी और कृपाण) का अभ्यास करने की आजादी नहीं है, जिससे राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया। राहुल गांधी को इस बयान के कारण भारी विरोध का सामना करना पड़ा था। राहुल गांधी ने कहा था कि भारत में सिख समुदाय से जुड़े लोगों को अपनी धार्मिक मान्यताओं का पालन करने की आजादी नहीं है, न ही उन्हें पगड़ी

पहनने दी जा रही है और न ही गुरुद्वारे में जाने दिया जा रहा है।

वरिष्ठ वकील और वाराणसी निवासी नागेश्वर मिश्रा ने इस बयान को भड़काऊ बताते हुए वाराणसी के सारनाथ थाने में एफआईआर दर्ज करने के लिए प्रार्थना पत्र दिया था, लेकिन वहां मामला दर्ज नहीं किया गया। इसके बाद उन्होंने अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (एसीजेएम) कोर्ट में आवेदन दायर किया। हालांकि, 28 नवंबर 2024 को एसीजेएम कोर्ट ने मिश्रा की याचिका को खारिज कर दिया था।

इसके बाद नागेश्वर मिश्रा ने वाराणसी सत्र न्यायालय (एमपी/एमएलए स्पेशल कोर्ट) में निगरानी याचिका दायर की, जिसे विशेष न्यायाधीश ने 21 जुलाई 2025 को स्वीकार कर लिया और एसीजेएम को मामले की पुन: सुनवाई का निर्देश दिया।

संक्षिप्त समाचार

हुडको मंगल बाजार में निगम आयुक्त किए श्रमदान

भिलाईनगर (समय दर्शन)। नगर पालिक निगम भिलाई जोन क्रमांक 05 अंतर्गत हुड़को में स्वच्छता शपथ, श्रमदान, उद्यान सहित पाइप लाईन लिकेज का निरीक्षण आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय द्वारा किया गया। निगम आयुक्त ने रजत जयंती एवं स्वच्छता ही सेवा अभियान 2025 अंतर्गत हुड़को स्थित मंगल बाजार में जन जागरूकता लाने श्रमदान किया गया। निगम आयुक्त, महापौर परिषद सदस्य सीजू एंथोनी, कार्यपालन अभियंता अनिल सिंह सहित अधिकारियों, समाजसेवियों एवं स्थानीय नागरिको की उपस्थिति में श्रमदान कर स्वच्छता शपथ लिये। सभी उपस्थित अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा उत्साहपूर्ण श्रमदान किया गया है । सभी पूरे वर्ष भर शहर की स्वच्छता के लिए काम करने का संकल्प लिए हैं । इस तरह श्रमदान से हमारा मोहल्ला, सार्वजनिक स्थल, उद्यान, शासकीय संस्था एवं पूरा संपूर्ण शहर स्वच्छ होगा । हम सभी शहर वासियों गंदगी करने वाले नागरिकों को सच्चे मन से रोकना है और टोकना है, जिससे हमारा शहर स्वच्छ, सुंदर और पर्यावरणीय रोगमुक्त हो सके।

आयुक्त के निर्देशानुसार डी.पी.एस. स्कूल में स्वच्छता ही सेवा अभियान अंतर्गत स्कूल के शिक्षक/शिक्षिकाओं एवं विद्यार्थियों की उपस्थिति में जनभागीदारी से जोड़ने के लिए स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली द्वारा संबोधित किया गया। कहा गया कि स्वच्छता अपने घरों से शुरू कर गली, मोहल्लो एवं सार्वजनिक स्थलों में सहयोग दें। जिससे शहर की स्वच्छता को बनाए रखा जा सके।

निगम आयुक्त हुडको स्थित भारत माता उद्यान का निरीक्षण कर पेड़ो के छटाई एवं घास सफाई कराने उद्यान अधिकारी तिलेश्वर साहू को निर्देश दिए हैं। हुडको स्थित गुरूद्वारा के पास पुलिया से लगा हुआ पेयजल आपूर्ति हेतु मुख्य पाइप लाईन है, जिसमें लिकेज हो गया है। लिकेज पाईप लाईन का संधारण कराने सहायक अभियंता श्वेता महेश्वर को निर्देशित किये हैं। निरीक्षण के दौरान कार्यपालन अभियंता अनिल सिंह, उप अभियंता दीपक देवांगन, जोन स्वास्थ्य अधिकारी सागर दुबे एवं कर्मचारी गण सहित समाजसेवी उपस्थित रहे।

कलेटर ने किया नवीन बाजार से कर्मा माता चौक का किया निरीक्षण

कवर्धा (समय दर्शन)। कवर्धा शहर के मुख्य सब्जी बाजार में यातायात को सुगम बनाने और बाजार को सुव्यवस्थित करने की दिशा में जिला प्रशासन ने महत्वपूर्ण कदम उठाया है। इसी क्रम में कलेक्टर गोपाल वर्मा ने देर शाम नवीन बाजार एवं सब्जी बाजार के मुख्य मार्ग का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पालिका अध्यक्ष चन्द्र प्रकाश चन्द्रवंशी, एसडीएम चेतन साहू, राजस्व विभाग, पुलिस, पालिका अधिकारी रोहित साहू एवं जनप्रतिनिधि भी मौजूद रहे।

निरीक्षण के दौरान मुख्य मार्ग पर सब्जी ठेलों की अव्यवस्थित स्थिति देखने को मिली। कई जगह सड़कों पर दो से तीन लेयर में सब्जी ठेले लगे पाए गए, जिससे यातायात प्रभावित हो रहा था। इस पर कलेक्टर ने छोटे व्यापारियों एवं ठेला संचालकों से सीधे चर्चा की और कहा कि बाजार और शहर आपका है, जब यातायात सुगम और बाजार सुव्यवस्थित होगा, तभी बाजार की रौनक और बढ़ेगी। इसलिए ठेला-गुमटी सड़कों पर लगाने से बचें। कलेक्टर ने इस संबंध में राजस्व, पुलिस एवं नगर पालिका की संयुक्त टीम को निर्देश दिए कि व्यापारियों को लगातार समझाइश दी जाए और इसी सप्ताह से सड़कों पर अतिक्रमण करने वालों पर जब्ती की कार्रवाई भी की जाए।

संस्कार द राइजिंग स्कूल परसकोल बसना में हुआ दशानन रावण का पुतला दहन

बसना(समय दर्शन)। संस्कार द राइजिंग स्कूल परसकोल बसना में धार्मिक और सांस्कृतिक उत्सव के रूप में दशहरा पर्व मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में रावण दहन का भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में स्कूल के संचालक ओमप्रकाश अग्रवाल, श्रीमती शीला अग्रवाल, श्रीमती मेघा अग्रवाल, श्रीमती अलीशा अग्रवाल, प्राचार्य संजय तिवारी, शिक्षकगण तथा समस्त विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर असत्य पर सत्य की विजय का संदेश देने वाले इस पर्व को उल्लासपूर्वक मनाया।

सुबह विद्यालय के प्रांगण में कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यार्थियों द्वारा भजन सुबह सवेरे लेकर प्रभु नाम तेरा से हुआ। इसके पश्चात् कक्षा आठवीं की छात्राएँ मिताली बेहरा और तनीषा अग्रवाल ने मधुर स्वर में संस्कृत श्लोक प्रस्तुत किए। कक्षा दसवीं की छात्रा याचिका साहू ने असत्य पर सत्य की विजय विषय पर प्रभावी भाषण दिया, जिसे सभी ने ध्यानपूर्वक सुना।

दशहरा का महत्व और प्रतिज्ञा

विद्यालय की शिक्षिका ज्योत्सना प्रधान ने विद्यार्थियों को दशहरा पर्व के महत्व और इसके पीछे की धार्मिक मान्यता को सरल भाषा में समझाया। कक्षा आठवीं की पावनी प्रधान ने सभी विद्यार्थियों से स्कूल प्रतिज्ञा दिलवाई, जिससे बच्चों में अनुशासन, परिश्रम और आदर्श जीवन जीने की प्रेरणा मिली।

रामायण का मंचन और सांस्कृतिक कार्यक्रम

विद्यालय के कक्षा छठवीं, नवमी और दसवीं के विद्यार्थियों ने मिलकर रामायण का लघु नाटक मंचित किया। इस नाटक ने न केवल बच्चों को भगवान श्रीराम की आदर्श जीवनशैली की झलक कराई, बल्कि दर्शकों को भी रामायण की कहानी पुनः स्मरण करा दी।

इसके साथ ही कक्षा आठवीं, नौवीं और दसवीं की छात्राओं ने भजन राम आएंगे तो अंगना सजाएंगे बहुत ही सुंदर ढंग से प्रस्तुत किया, जिसकी सभी ने भरपूर सराहना की। कक्षा नौवीं की छात्रा धारिका साहू ने मनमोहक नृत्य प्रस्तुत कर कार्यक्रम को और भी आकर्षक बना दिया।

कार्यक्रम के अंत में स्कूल के प्राचार्य संजय तिवारी एवं संचालकगण ने मिलकर रावण का पुतला दहन किया। रावण दहन के समय विद्यार्थियों ने तालियों की गड़गड़ाहट से वातावरण गुंजायमान कर दिया।

इस अवसर पर प्राचार्य संजय तिवारी ने सभी विद्यार्थियों को नवरात्रि और दशहरा पर्व की शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि दशहरा हमें यह संदेश देता है कि जीवन में कितनी भी कठिनाइयाँ आएँ, सत्य और अच्छाई की सदैव विजय होती है। उन्होंने विद्यार्थियों को आगामी अर्धवार्षिक परीक्षा की गंभीरता से तैयारी करने की भी सलाह दी।

पूरे कार्यक्रम के दौरान विद्यालय का वातावरण धार्मिक और सांस्कृतिक उत्साह से परिपूर्ण रहा। छोटे बच्चों द्वारा राम, लक्ष्मण, माता सीता और हनुमान की वेशभूषा ने आयोजन में चार चाँद लगा दिए। यह आयोजन विद्यार्थियों के लिए एक स्मरणीय अनुभव बन गया।

एनएमडीसी और जिला प्रशासन ने क्षेत्रीय विकास पर की चर्चा

दंतेवाड़ा में खनन नीतियों पर महत्वपूर्ण बैठक

दंतेवाड़ा (समय दर्शन)। जिला कार्यालय के एनआईसी कक्ष में छत्तीसगढ़ मिनरल डेवलपमेंट कारपोरेशन लिमिटेड के अध्यक्ष सौरभ सिंह की अध्यक्षता में एनएमडीसी और जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ खनन संबंधी नीतिगत व व्यवहारिक मुद्दों पर महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई। बैठक में विधायक चैतराम अटामी, जिला पंचायत अध्यक्ष नंदलाल मुड़ामी, कलेक्टर कुणाल दुदावत, एनसीएल व एनएमडीसी (बचेली, किरंदुल) के वरिष्ठ अधिकारी, जिला पंचायत उपाध्यक्ष अरविंद कुजांम, अपर कलेक्टर राजेश पात्रे सहित अन्य प्रतिनिधि उपस्थित थे।

बैठक में इस्पात विनिर्माण इकाइयों को प्रतिस्पर्धी दरों पर 50त्न लौह अयस्क आपूर्ति, नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में लौह-आधारित इकाइयों को 30त्न छूट, जगदलपुर से रायपुर तक स्लरी पाइपलाइन, और स्थानीय एमएसएमई को एनएमडीसी के खरीद नियमों में प्राथमिकता जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई।

कलेक्टर ने एनएमडीसी से आकस्मिक जनहानि मुआवजा प्रकरणों के त्वरित निपटान, खनन प्रभावित ग्रामों में स्कूल, पंचायत भवन, आंगनवाड़ी जैसे बुनियादी ढांचों के निर्माण, स्थानीय युवाओं की भर्ती, कौशल विकास प्रशिक्षण केंद्र, और क्षेत्रीय सांस्कृतिक गतिविधियों में एनएमडीसी की प्रभावी भूमिका पर जोर दिया। विधायक ने चिकित्सा सुविधाओं के लिए अतिरिक्त एंबुलेंस, विशेषज्ञ चिकित्सकों की नियुक्ति और आधुनिक चिकित्सा उपकरणों की मांग उठाई।

सीएमडीसी अध्यक्ष सौरभ सिंह ने कहा कि सीएसआर के तहत स्थानीय समुदाय के सामाजिक-आर्थिक व सांस्कृतिक उत्थान के लिए जिला प्रशासन के साथ समन्वय आवश्यक है। उन्होंने खनन प्रभावित ग्रामों में विकास कार्यों को गति देने और शासन स्तर पर मुद्दों के शीघ्र निराकरण को प्राथमिकता बताया।

सरस्वती शिशु मंदिर बसना में नवकन्या पूजन

बसना(समय दर्शन)। सरस्वती शिशु मंदिर बसना में 26 सितंबर 2025 को नवकन्या पूजन कार्यक्रम रखा गया । सर्वप्रथम मुख्य अतिथि डॉक्टर भारती अग्रवाल, अध्यक्ष रामचंद्र अग्रवाल एवं सुभाष शर्मा ने नव कन्याओं का पाद प्रक्षालन, पूजन आरती के साथ किया गया । दुर्गा चालीसा का पाठ किया गया, प्राथमिक एवं माध्यमिक विभाग के बच्चों द्वारा खीर पुड़ी की व्यवस्था की गई थी ।

सभी बच्चों को भोग प्रसाद वितरण किया गया, विज्ञान, गणित मेला, राखी बनाओ प्रतियोगिता, बौद्धिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम में सहभागी भैया बहनों को प्रशस्ति पत्र एवं लेखनी से सम्मानित किया गया । सावर अग्रवाल, सुभाष प्रधान, ललिता रात्रे, पुष्पलता साव, प्राचार्य धनुर्जय साहू, प्रधानाचार्य भरोस राम साहू, समस्त आचार्य दीदीयाँ एवं भैया बहनों के सहयोग से कार्यक्रम संपन्न हुआ ।

पटरी पार क्षेत्र के 5 खिलाड़ी राज्य स्तरीय हॉकी प्रतियोगिता के लिए चयनित, रायपुर के लिए रवाना

राजनांदगांव (समय दर्शन)। राजनांदगांव के पटरी पार क्षेत्र से हॉकी में एक बड़ी सफलता सामने आई है। चिखली स्कूल मैदान में संचालित निःशुल्क हॉकी प्रशिक्षण केंद्र से 5 खिलाड़ियों का चयन 25वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता के लिए हुआ है। ये प्रतियोगिता 27 से 30 सितंबर तक रायपुर के सरदार वल्लभ भाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम में आयोजित की जाएगी, जहां ये खिलाड़ी दुर्ग संभाग का प्रतिनिधित्व करेंगे।

प्रतियोगिता के लिए रवाना होते समय क्षेत्र की माताओं ने खिलाड़ियों को तिलक लगाकर आशीर्वाद दिया और विजय भवः कहकर उन्हें रायपुर के लिए विदा किया। चयनित खिलाड़ियों में बालिका वर्ग से पुष्पिता साहू (लक्ष्य पब्लिक स्कूल), द्विशा निषाद (राजेश्वरी करुणा स्कूल), घनिष्ठा साहू (वेसलियन स्कूल), मोनिष्का विश्वकर्मा (विनायक पब्लिक स्कूल) और बालक वर्ग से दक्ष चौबे (रॉयल किड्स कान्वेंट) शामिल हैं।

इस प्रशिक्षण केंद्र को रुद्राक्षम् वेलफेयर सोसाइटी द्वारा संचालित किया जा रहा है, जिसकी शुरुआत छत्तीसगढ़ हॉकी अध्यक्ष फिरोज अंसारी की मंशा के अनुरूप की गई थी। पिछले आठ महीनों से यहाँ प्रतिदिन सुबह 5.30 से 7.30 बजे तक चिखली स्कूल मैदान में और शाम 4.30 से 6.30 बजे तक अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम में अभ्यास कराया जा रहा है। यहां अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी एवं एनआईएस गोल्ड मेडलिस्ट कोच मृणाल चौबे के नेतृत्व में 250 से अधिक खिलाड़ी प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। शाम के सत्र में खेलो इंडिया कोच शकील अहमद और आरती शेंडे भी विशेष मार्गदर्शन दे रहे हैं।

चयनित खिलाड़ी वरिष्ठ प्रशिक्षक किशोर धीवर और चन्द्रहास साहू के मार्गदर्शन में राज्य स्तरीय मुकाबलों में हिस्सा लेंगे। टीम मैनेजर की जिम्मेदारी दिलीप रावत और महिमा यादव को सौंपी गई है।

खिलाड़ियों की इस सफलता पर छत्तीसगढ़ हॉकी अध्यक्ष फिरोज अंसारी, जिला हॉकी संघ सचिव शिवनारायण धकेता, वरिष्ठ खिलाड़ी नरेश डाकलिया, नीलम जैन, कुतबुद्दीन सोलंकी, रमेश डाकलिया, प्रकाश शर्मा, अजय झा, अनूप श्रीवास्तव, कुमार स्वामी, प्रशिक्षक भूषण साव, ए. एक्का, अनुराज श्रीवास्तव, गुणवंत पटेल, महेन्द्र सिंह ठाकुर, प्रिंस भाटिया, अब्दुल कादिर, दिग्विजय श्रीवास्तव, प्राचार्य योगेश द्विवेदी, जिला क्रीड़ा अधिकारी देवेंद्र ठाकुर, रुद्राक्षम् अध्यक्ष विष्णुनंद चौबे, साईं प्रशिक्षक परमजीत सिंह, खेल प्रशिक्षक हनीफकुरैशी व हारुन खान ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं।

नवरात्रि पर परीक्षा स्थगित करने की मांग, एबीवीपी ने सौंपा ज्ञापन

राजनांदगांव (समय दर्शन)। नवरात्रि पर्व पर विश्वविद्यालय द्वारा तय की गई परीक्षा तिथियों को लेकर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने विरोध जताया है। परिषद की राजनांदगांव इकाई ने महाअष्टमी और महानवमी के दिन होने वाली परीक्षाओं को स्थगित करने की मांग को लेकर विश्वविद्यालय प्रशासन को ज्ञापन सौंपा। यह ज्ञापन स्थानीय कॉलेज प्राचार्यों के माध्यम से कुलपति तक पहुँचाया गया।

एबीवीपी का कहना है कि महाअष्टमी और महानवमी जैसे पावन अवसर पर परीक्षा आयोजित करना छात्रों की धार्मिक आस्था के साथ-साथ मानसिक संतुलन पर भी असर डालता है। परिषद ने मांग की है कि परीक्षा तिथियों में बदलाव कर नई तारीख घोषित की जाए।

नगर मंत्री अक्षत श्रीवास्तव ने कहा, नवरात्रि हमारे धर्म और संस्कृति का महत्वपूर्ण पर्व है। इन विशेष तिथियों पर परीक्षा आयोजित करना विद्यार्थियों की पूजा-अर्चना और पारिवारिक धार्मिक कार्यक्रमों में बाधा बनता है। यह केवल एक शैक्षणिक विषय नहीं, बल्कि सांस्कृतिक सम्मान का भी मामला है। उन्होंने विश्वविद्यालय प्रशासन से मांग की कि छात्रों की भावनाओं का सम्मान करते हुए महाअष्टमी और महानवमी की तिथियों पर परीक्षा न रखी जाए। परिषद ने चेतावनी दी है कि यदि मांग पर शीघ्र निर्णय नहीं लिया गया तो आंदोलनात्मक कदम भी उठाए जा सकते।

एएमएनएस इंडिया की 'दक्ष' पहल: दंतेवाड़ा में 160 युवाओं को डिजिटल कौशल और रोजगार के अवसर

दंतेवाड़ा (समय दर्शन)। देश के अग्रणी उद्योग समूह ए एम/एन एस इंडिया ने अपनी सामाजिक प्रतिबद्धता को दोहराते हुए दंतेवाड़ा जिले में दक्ष - डिजिटल स्किलिंग फॉर यूथ कार्यक्रम के तहत एक प्रेरक प्रमाण पत्र एवं नियुक्ति पत्र वितरण समारोह का आयोजन किया। ह्रूस्श्वष्टञ्ज लिमिटेड और NASSCOM फाउंडेशन के सहयोग से संचालित इस कार्यक्रम का लक्ष्य युवाओं को डिजिटल युग की मांगों के अनुरूप कौशल प्रदान कर आत्मनिर्भर और रोजगार योग्य बनाना है।

समारोह में 160 युवाओं ने भाग लिया, जिनमें से 126 प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र और 30 को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए। मुख्य अतिथि श्री जयंत नाहटा, मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत दंतेवाड़ा, ने कहा, कौशल विकास दीर्घकालिक सफलता की कुंजी है। ह्रूहस्र इंडिया जैसे संस्थान युवाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रहे हैं।

कार्यक्रम में जिले के वरिष्ठ अधिकारी, समाजसेवी और उद्योग जगत के गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। ह्रूहस्र इंडिया की ओर से के.टी. राव (जे.जी.एम., किरंदुल), विनय (डीजीएम) और सीएसआर टीम ने आयोजन का नेतृत्व किया।

दक्ष कार्यक्रम केवल कौशल प्रशिक्षण तक सीमित नहीं है, बल्कि यह युवाओं को रोजगार, स्वावलंबन और आत्मविश्वास प्रदान करने का एक मजबूत मंच है। यह पहल दंतेवाड़ा जैसे क्षेत्रों में आर्थिक सशक्तिकरण और सामाजिक उत्थान का प्रतीक बन रही है। ह्रूहस्र इंडिया का मानना है कि सच्ची प्रगति तभी संभव है जब समाज के हर वर्ग को समान अवसर मिलें। कंपनी का ध्यान न केवल औद्योगिक उत्पादन पर, बल्कि शिक्षा, कौशल विकास और स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार सृजन पर भी केंद्रित है।

नगर निगम भिलाई में स्ट्रीट फूड वेंडरो को दिया गया प्रशिक्षण

भिलाईनगर (समय दर्शन)। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्रांतर्गत सड़क किनारे एवं फुटपाथ पर छोटे व्यवसाय चलाने वाले स्ट्रीट फूड वेंडरों को दुकान संचालन हेतु जानकारी दिए जाने आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय द्वारा निर्देशित किया गया है।

जिसके तहत राष्ट्रीय शहरी अजीविका मिशन एवं शिक्षा एवं कल्याण समिति से तपस बनर्जी द्वारा जानकारी दी गई। स्ट्रीट फूड वेंडर को दुकान संचालित करते समय किस बात का विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए, जिससे ग्राहक दुकान में खाद्य सामग्री खरीदने व खाने आए। दुकान खोलने से पहले आस-पास की साफ-सफाई व्यवस्था को ध्यान देने पर जोर दिया गया है।

पीने का पानी साफ-सुथरा एवं ढककर रखें, हाथ पोछने का कपड़ा साफरखें, किसी प्रकार का गुटखा/पान न खाए। दुकान से दूरी बनाकर कचरा फेंकने के लिए अलग से डस्टबिन रखें। प्लास्टिक की थैली के जगह कपड़े एवं कागज से बने थैले का उपयोग करें। साथ ही जिनके पास लाइसेंस नहीं है, उन्हे लाईसेंस बनाने के लिए किन दस्तावेजो की आवश्यकता होती है, उसकी भी पूरी जानकारी प्रदान की गई। दुकान संचालित करते समय स्वच्छता का पूर्णता ध्यान देना है जिससे खाद्य सामग्रियों एवं उपयोगकर्ता पर प्रतिकूल अक्षर न पड़े ।

कार्यालय नगर पालिक निगम भिलाई

// निविदा सूचना //

क्र/ 230/ज.प्र.वि./न.नि./2025 /232 — भिलाई, दिनांक 22.09.2025

आयुक्त नगर पालिक निगम भिलाई की ओर से निम्नांकित कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र.	कार्य का नाम	निविदा लागत	निविदा आवेदन की अंतिम तिथि	निविदा जमा करने की अंतिम तिथि	निविदा
1.	2.72 एमएलडी जलशोधन संयंत्र का संधारण कार्य।	334000.00	13/10/2025	16/10/2025	प्रथम
2.	77 एमएलडी जलशोधन संयंत्र के बाऊंड्रीवाल एवं अन्य संधारण कार्य।	378000.00	13/10/2025	16/10/2025	प्रथम
3.	77 एमएलडी जलशोधन संयंत्र के क्लेरीफाकुलेटर सफाई कार्य।	228000.00	13/10/2025	16/10/2025	प्रथम
4.	जलकार्य विभाग के 66 एम.एल.डी. 77 एमएलडी एवं शिवनाथ इंटेकवेल के एल.टी. एवं एच.टी. केबल हेतु किट एवं सर्विस कार्य।	369500.00	13/10/2025	16/10/2025	प्रथम
5.	77 एमएलडी जलशोधन संयंत्र में स्थित पंप क्र. 05 (875 प्रति घंटा) का संधारण कार्य।	93938.00	13/10/2025	16/10/2025	प्रथम

निविदा स्पीड पोस्ट/ रजिस्टर्ड डाक से स्वीकार किए जाएंगे। उपरोक्त निर्माण कार्यो की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी कार्यालयीन अवधि में कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है। साथ ही यह जानकारी नगर पालिक निगम भिलाई की वेबसाईड www.bhilainagarnigam.com अथवा संचालनालय की वेबसाइड www.uad.cg.gov.in में भी देखी जा सकती है।

कार्यपालन अभियंता
जलकार्य
नगर पालिक निगम, भिलाई

दिव्यांगजनों ने अपने हुनर से लोगों का दिल जीता गायन, फैशन शो, नृत्य कला से दिव्यांगों के हौसले हुए बुलंद

रजत जयंती महोत्सव एवं सेवा पखवाड़ा: पर्पल फेयर का हुआ आयोजन

रायपुर। महासमुंद जिले में दिव्यांगजनों के लिए पर्पल फेयर का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में दिव्यांगों ने अपने हुनर से लोगों का दिल जीत लिया। पर्पल फेयर कार्यक्रम में नृत्य कला, गायन कला, फैशन शो और ब्रेल लिपि का प्रदर्शन ने दिव्यांगों के आत्मविश्वास को एक नई ऊंचाई दी। दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार अंतर्गत समाज कल्याण विभाग द्वारा रजत जयंती महोत्सव एवं सेवा पखवाड़ा 2025 अंतर्गत दिव्यांगजनों के लिए बहुआयामी आयोजन किया गया। जिला मुख्यालय स्थित डॉ. भीमराव अंबेडकर मांगलिक भवन, संजय कानन के पास महासमुंद में यह कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर विधायक श्री योगेश्वर राजू सिन्हा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।

विधायक श्री सिन्हा ने अपने उद्बोधन में कहा कि दिव्यांगजन समाज का अभिन्न अंग हैं। उनकी प्रतिभा और क्षमताओं को पहचानकर उन्हें मुख्यधारा से जोड़ना हम सभी का कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि राज्य एवं केंद्र सरकार द्वारा दिव्यांगजनों के कल्याण हेतु कई योजनाएं संचालित की जा रही हैं और पर्पल फेयर जैसे आयोजन इस दिशा में सार्थक पहल हैं। यह मंच दिव्यांगजनों को न केवल अपनी कला और कौशल प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान करता है, बल्कि रोजगार एवं स्वरोजगार के लिए भी नए रास्ते खोलता है। उन्होंने दिव्यांगजनों के आत्मविश्वास और लगन की सराहना करते हुए कहा कि आपकी मेहनत और संकल्प ही आपको सशक्त बनाएगी। समाज तभी पूर्ण होता है जब उसमें हर वर्ग को समान अवसर मिले।

श्री सिन्हा ने मेले में लगाए गए महिला एवं बाल विकास, स्वास्थ्य विभाग, दिव्यांग संघ, सिविक सेवा प्राधिकरण, आशियाना वृद्धाश्रम, बांस शिल्प आदि स्टॉलों का अवलोकन किया।

इस दौरान उन्होंने रोजगार मेले, सहायक उपकरण वितरण स्टॉल, दिव्यांग कला गैलरी, सरकारी योजनाओं की प्रदर्शनी एवं प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों की जानकारी संबंधी स्टॉल का भी बारीकी से अवलोकन किया। उन्होंने दिव्यांगजनों द्वारा बनाए गए हस्तशिल्प, कलाकृतियों एवं कौशल आधारित उत्पादों की सराहना की और उनके उत्साहवर्धन के लिए उनसे चर्चा भी किया। आयोजन में बड़ी संख्या में दिव्यांगजन, वरिष्ठजन, स्कूली एवं महाविद्यालयीन दिव्यांग छात्र-छात्राएँ शामिल हुए।

मेले में दिव्यांगजनों हेतु रोजगार मेला, सहायक उपकरणों का वितरण, सरकारी योजनाओं एवं प्रकाशनों की प्रदर्शनी, दिव्यांग कला गैलरी, मनोरंजक खेल एवं गतिविधियाँ, संचालित पाठ्यक्रमों की जानकारी, भोजन स्टॉल, सांस्कृतिक एवं खेलकूद प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं। कार्यक्रम में कुल 310 दिव्यांग एवं वृद्धजन उपस्थित रहे तथा 150 इनके सहायक मिलाकर कुल 360 हितग्राही पंजीकृत हुए। आयोजन में एलिम्को संस्थान द्वारा 32 वृद्धजनों को सहायक उपकरण प्रदान किया गया। 15 दिव्यांग ने अपना दिव्यांग प्रमाण पत्र बनवाये। कार्यक्रम में 17 विभागों का स्टॉल लगाया गया ,तथा 7 विभिन्न स्वैच्छिक संस्थान व शासकीय संस्थान के दिव्यांग बच्चे उपस्थित होकर विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम में अपनी प्रतिभा एवं खेल आयोजन में अपना जौहर दिखाया। कार्यक्रम में नगरपालिका अध्यक्ष श्री निखिलकांत साहू, स्काउट एवं गाइड के जिलाध्यक्ष श्री येतराम साहू, कलेक्टर श्री विनय कुमार लंगेह सहित एवं अन्य जनप्रतिनिधिगण मौजूद थे।

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव की अगुवाई में महामाया मंदिर से अस्पताल तक सफाई

रायपुर।

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव की अगुवाई में आज सेवा पखवाड़ा के तहत लोरमी नगर पालिका में 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान चलाकर सफाई की गई। इस दौरान लोरमी के महामाया मंदिर से लेकर 50 बिस्तर अस्पताल तक सफाई अभियान चलाया गया। उप मुख्यमंत्री श्री साव के साथ मुंगेली के कलेक्टर श्री कुन्दन कुमार, पुलिस अधीक्षक श्री भोजराम पटेल, जिला पंचायत के सीईओ श्री प्रभाकर पाण्डेय और नगर पालिका के अध्यक्ष श्री सुजीत वर्मा सहित जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने भी श्रमदान किया।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने श्रमदान के बाद कहा कि हमारे स्वभाव व संस्कार में स्वच्छता का हमेशा स्थान रहा है। इस अभियान से सभी लोगों को प्रेरणा लेनी चाहिए। सभी संगठनों के एक-एक व्यक्ति द्वारा मेरा लोरमी, मेरा अभिमान की भावना से शहर को स्वच्छ बनाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। लोरमी स्वच्छ, सुंदर और सुविधापूर्ण बने, ऐसा एक-एक व्यक्ति का संकल्प हो। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 2014 में हमारी सरकार बनने के बाद जो भावना आई है, उससे बच्चे भी स्वच्छता के प्रति जागरूक हुए हैं। हमें शहर को अपना घर मानकर चलना पड़ेगा। घर की ही तरह शहर को भी साफ रखेंगे तो हमारा लोरमी स्वच्छ और सुंदर हो जाएगा।

श्री साव ने लोरमीवासियों को 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान में समयबद्धता व उत्साह के साथ भाग लेने के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने श्रमदान के बाद लोगों को स्वच्छता के प्रति सजग रहने, गंदगी नहीं करने तथा दूसरों को भी गंदगी करने से रोकने की शपथ दिलाई।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के प्रतिनिधि मण्डल की सौजन्य मुलाकात

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय से राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के प्रतिनिधि मण्डल ने सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर रायपुर की संचालिका ब्रह्माकुमारी सविता दीदी ने मुख्यमंत्री श्री साय को आगामी 10 से 13 अक्टूबर तक माउण्ट आबू में आयोजित होने वाले वैश्विक शिखर महासम्मेलन में सम्मिलित होने हेतु आमंत्रित किया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रतिनिधि मण्डल को इस आयोजन के लिए शुभकामनाएँ दीं तथा आमंत्रण के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि ब्रह्माकुमारी संस्थान द्वारा शांति, आध्यात्मिकता और मानवता के कल्याण के लिए किए जा रहे कार्य अनुकरणीय हैं।

भेंट के दौरान सविता दीदी ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आगामी रायपुर प्रवास के दौरान नवा रायपुर, सेक्टर-20 स्थित शान्ति शिखर के नये भवन एकेडमी फार ए पीसफुल

वर्ल्ड- शान्ति शिखर के लोकार्पण कार्यक्रम की जानकारी भी मुख्यमंत्री को दी।

प्रतिनिधि मण्डल में ब्रह्माकुमारी सविता दीदी के साथ बीके रश्मि दीदी, बीके महेश डोडवानी और बीके हीरेन्द्र नायक भी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री से छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन के प्रतिनिधिमंडल ने की सौजन्य भेंट

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन के प्रतिनिधिमंडल ने सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर प्रतिनिधिमंडल ने कर्मचारियों की समस्याओं से संबंधित 11 सूत्रीय मांगों के संबंध में मुख्यमंत्री श्री साय को विस्तार से अवगत कराया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने धैर्यपूर्वक सभी बिंदुओं को सुना और कहा कि सरकार कर्मचारियों की जायज़ मांगों एवं समस्याओं के समाधान के लिए गंभीर है। उन्होंने आश्वस्त किया कि कर्मचारी हितों को ध्यान में रखते हुए शीघ्र ही ठोस एवं सकारात्मक निर्णय लिए जाएंगे। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि कर्मचारी वर्ग शासन-प्रशासन की रीढ़ है। उनकी कार्यकुशलता और समर्पण से ही शासन की नीतियाँ और कार्यक्रम प्रभावी रूप से क्रियान्वित होते हैं।

भेंट करने वाले प्रतिनिधिमंडल में फेडरेशन के प्रांतीय संयोजक एवं प्रदेश अध्यक्ष छत्तीसगढ़ राजपत्रित अधिकारी संघ श्री कमल वर्मा, प्रांतीय सचिव श्री राजेश चटर्जी, प्रांतीय प्रवक्ता श्री जी.आर. चंद्रा एवं श्री चंद्रशेखर तिवारी, प्रांतीय संगठन मंत्री श्री रोहित तिवारी, प्रांतीय सलाहकार श्री बी.पी. शर्मा, श्री पंकज पाण्डेय, श्री राकेश शर्मा, उप जिला संयोजक जशपुर श्री अजय गुप्ता तथा जिला संयोजक जशपुर श्री संतोष कुमार टांडे सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

// कार्यालय, सेनानी 21वीं वाहिनी (भा/र) छसबल करकाभाट, जिला-बालोद (छ.ग.)//

-: निविदा विज्ञिप्ति :-

21वीं वाहिनी (भा./र.) छसबल करकाभाट, जिला-बालोद (छ.ग.) में निम्नालिखित अनुपयोगी सामान की नीलामी हेतु सील बंद दिनविदाए आमंत्रित किये जातें हैं, सील बंद लिफाफे के ऊपर निविदा सूचना क्रमांक तथा निविदाकार्ता का पूरा नाम पता एवं दुरभाष नम्बर लेख किया जाना आवश्यक है।

क्र.	सामग्री का नाम	मात्रा
01	अनुपयोगी मोटर पार्टस	155 कि.ग्रा.
02	टायर अलग-अलग साईज	54 नग
03	ट्यूब अलग-अलग साईज	09 नग
04	फ्लेप अलग- अलग साईज	09 नग

नीलामी प्रक्रिया की शर्त निम्नानुसार है :-

01. निविदा फार्म 100 रूपये मूल्य का चालान शीर्ष 0055 पुलिस मिशलेनियस पुलिस रिसिप्ट के अंतर्गत सेनानी 21वी वाहिनी (भा.र.) छसबल करकाभाट, जिला-बालोद के नाम जमा कर व्यक्तिगत रूप से कार्यालय में दिनांक 27.09.2025 से 05.10.2025 तक 11.00 बजे से 17.00 बजे तक प्राप्त कर सकतें है, निविदा फार्म शुल्क वापस नही किया जावेगा।
02. निविदा फार्म के साथ 5,000.00 (पांच हजार) रूपये धरोहर रांशि बैंक ड्राप्ट के रूप में सेनानी 21वीं वाहिनी (भा.र.) छसबल करकाभाट, जिला- बालोद को देय होगा। जो स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया के बालोद के कोड क्रमांक 00320 में भुगतान हेतु जमा किया जावें।
03. निविदा स्वीकार होने पर लगाई गई कीमत का 10 प्रतिशत राशि तत्काल जमा करना अनिवार्य होगा शेष राशि बैक ड्राष्ट/नगद 07 दिवस के भीतर जमा करना अनिवार्य होगा जिसमें प्रतिभूति राशि समायोजित कर ली जावेगी। निविदा में उल्लेखित सामान 07 दिवस के भीतर ले जाना सुनिश्चित करें। अन्यथा धरोहर राशि राजसात कर ली जायेगी।
04. अस्वीकृत निविदा की प्रतिभूति राशि निविदाकर्ता को वापस कर दी जावेगी। जिसे प्राप्त करने की जवाबदारी स्वंय निविदाकर्ता की होगी।
05. दर्शाये गये टायर-ट्यूब मोटर्स पार्टस की कीमत एक साथ भरा जावें।
06. कमेटी को अधिकार होगा कि बिना कारण बताए किसी भी निविदाओ को अस्वीकृत या पूर्णतः अमान्य कर दे।
07. इच्छुक व्यक्ति दिनांक- 25.09.2025 से 05.10.2025 तक प्रातः 11.00 बजे से 17.00 बजे तक कार्य दिवस में 21वी वाहिनी (भा.र.) छसबल करकाभाट, जिला-बालोद वाहन शाखा में टायर-ट्यूब एवं कण्डम पार्टस का निरीक्षण कर सकतें है।
08. बंद निविदाएं दिनांक 06.10.2025 को प्रातः 08.00 बजे से 14.00 बजे तक जमा कर सकते है, एवं नीलामी की कार्यवाही दिनांक -06.10.2025 को 21वी वाहिनी (भा.र.) छसबल करकाभाट, जिला-बालोद में दोपहर 15.00 बजे निविदाकार्ताओं के समक्ष कमेटी द्वारा खोली जावेगी।

सेनानी
21वीं वाहिनी (भा./र.) छसबल
करकाभाट जिला बालोद (छ.ग.)

जी- 252603802/1

श्रीमती संगीता जिंदल को फ्रांसीसी सम्मान, शेवेलियर डे ल'ऑर्ड्रे डेस आर्ट्स एट डेस लेट्रेस से किया गया सम्मानित

मुंबई : भारत में फ्रांस के राजदूत, महामहिम श्री थिएरी माथौ ने आज जेएसडब्ल्यू फाउंडेशन की अध्यक्ष श्रीमती संगीता जिंदल को 'शेवेलियर डे ल'ऑर्ड्रे डेस आर्ट्स एट डेस लेट्रेस' (कला और साहित्य के शूरवीर का नाइट), जो फ्रांस के सबसे प्रतिष्ठित सम्मानों में से एक है, के प्रतीक चिह्न से सम्मानित किया। यह पुरस्कार उन्हें उनके मुंबई स्थित निजी आवास पर प्रदान किया गया। यह सम्मान कला, संस्कृति और भारत में विरासत संरक्षण के प्रति श्रीमती जिंदल के असाधारण योगदान और भारत-फ्रांस सांस्कृतिक संबंधों को बढ़ावा देने के लिए उनके समर्पण की स्वीकृति में दिया गया है। जेएसडब्ल्यू फाउंडेशन के प्रमुख के तौर पर, श्रीमती जिंदल ने संस्कृति को अपने मिशन का केंद्र बनाया है और फ्रांस के साथ गतिशील नई साझेदारियाँ स्थापित की हैं। हम्पी आर्ट लैब्स में कलाकार निवास कार्यक्रमों के माध्यम से, उन्होंने भारतीय और फ्रांसीसी रचनाकारों के बीच आदान-प्रदान के लिए सार्थक स्थान बनाए हैं। 2024 में, उन्होंने कला और खेल के बीच संवाद को उजागर करने के लिए पेरिस ओलंपिक खेलों के दौरान फ्रांस के साथ सहयोग किया। इस वर्ष

के अंत में, वह पेरिस में मोबिलियर नेशनल में टेक्सटाइल मैटर्स नामक प्रदर्शनी में भाग लेंगी। पुरस्कार प्रदान करते हुए, राजदूत थिएरी माथौ ने कहा: अपने जुनून, दूरदर्शिता और उदारता के माध्यम से, श्रीमती जिंदल ने भारत के सांस्कृतिक परिदृश्य को बहुत समृद्ध किया है और हमारे दोनों देशों को करीब लाया है। यह सम्मान उनकी उपलब्धियों और सांस्कृतिक पुलों के निर्माण की उनकी प्रतिबद्धता के लिए फ्रांस की गहरी कृतज्ञता और प्रशंसा को दर्शाता है। मुझे विश्वास है कि यह हमारे देश के साथ एक बहुत ही फलदायक सहयोग और संवाद की बस शुरुआत है। पुरस्कार स्वीकार करते हुए, श्रीमती संगीता जिंदल ने कहा: मैं फ्रांस से यह सम्मान पाकर बहुत सम्मानित महसूस कर रही हूं। यह भारत की विरासत की रक्षा करने के साथ-साथ हमारे दोनों राष्ट्रों के बीच सार्थक सांस्कृतिक सेतुओं को बढ़ावा देने की मेरी प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है। मैं इस सम्मान को उन तमाम कलाकारों, शिल्पकारों, संरक्षकों और संस्थानों को एक श्रद्धांजलि के रूप में स्वीकार करती हूं जिनके साथ काम करने का मुझे सौभाग्य मिला है। विरासत एक जीवित संसाधन है जो पीढ़ियों को जोड़ती है, और मैं यह सुनिश्चित करने के लिए समर्पित हूं कि यह भविष्य को प्रेरित करती रहे।

संक्षिप्त समाचार

आरकेसीपीएल लिमिटेड ने 1,250 करोड़ रुपये के आईपीओ के लिए सेबी के पास डीआरएचपी दाखिल किया

आरकेसीपीएल लिमिटेड (कंपनी), जो कि भारत भर में एलिवेटेड रोड, फ्लाईओवर, पुल, रोड ओवर ब्रिज, राजमार्ग, एक्सप्रेसवे, ड्रेनेज सिस्टम और नहर प्रणालियों सहित विशेष संरचनात्मक कार्यों को निष्पादित करने का अनुभव रखने वाली एक सिविल कंस्ट्रक्शन और इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कंपनी है, उसने बाज़ार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल कर दिया है। कंपनी आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) के जरिये कुल 12,500 मिलियन रुपये [1,250 करोड़ रुपये] तक की धनराशि जुटाने की योजना बना रही है। इस पूरी पेशकश का आकार इक्विटी शेयरों के नए इश्यू के ज़रिए 7,000 मिलियन रुपये [700 करोड़ रूपये] फ्रेश इश्यू) और बिक्री के लिए पेश किए गए इक्विटी शेयरों (ऑफर फॉर सेल) के जरिये 5,500 मिलियन रुपये [550 करोड़ रुपये] है।

क्रोमा में शुरू हुआ सपनों का त्योहार – इलेक्ट्रॉनिक्स पर 35 प्रतिशत की छूट

टाटा समूह से जुड़ी भारत की अग्रणी ओम्नी-चैनल इलेक्ट्रॉनिक्स रिटेलर कंपनी क्रोमा ने अपने वार्षिक उत्सव अभियान फेस्टिवल ऑफ ड्रीम्स (सपनों का त्योहार) के साथ त्योहारी मौसम की शुरुआत की है। इस पेशकश के तहत त्योहारों को और अधिक आनंददायक बनाने के लिए विशेष रूप से तैयार कई आकर्षक ऑफर की व्यवस्था है। ग्राहक स्मार्टफोन, टीवी, वाशिंग मशीन, लैपटॉप और रेफ्रिजरेटर पर स्टोर पर और ऑनलाइन, दोनों जगह शानदार छूट के साथ-साथ रोमांचक कैशबैक, ईएमआई और एक्सचेंज लाभों का भी लाभ उठा सकते हैं। हाल ही में घोषित जीएसटी सुधार के मद्देनज़र नए टीवी और एयर कंडीशनर पर 10 प्रतिशत की अतिरिक्त बचत, घरेलू उपकरण खरीदना फायदेमंद हो गया है। 200 से ज़्यादा शहरों में 560 से ज़्यादा स्टोर्स की मज़बूत मौजूदगी और क्रोमा,कॉम और टाटा न्यू ऐप पर सहज खरीदारी के साथ, क्रोमा यह सुनिश्चित करता है कि ग्राहकों को आसानी से बेहतरीन डील मिले, चाहे वे अपने लिए खरीदारी कर रहे हों या दोस्तों और परिवार के लिए आकर्षक उपहार चुन रहे हों। ग्राहक दशहरा, धनतेरस, दिवाली और भाई दूज के अवसर को 23 अक्टूबर तक की शानदार छूट, एक्सचेंज बोनस, 20 प्रतिशत तक के कैशबैक ऑफर और आकर्षक ईएमआई लाभों के साथ खास बना सकते हैं।

काइनेटिक ग्रीन ने पेश किया ई-लूना प्राइम : भारत के कम्यूटर मोटरसाइकिल सेगमेंट के लिए नई इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर

पुणे: भारत की अग्रणी इलेक्ट्रिक टू- और थ्री-व्हीलर निर्माता कंपनी काइनेटिक ग्रीन एनर्जी एंड पावर सॉल्यूशंस लिमिटेड ने आज ई-लूना प्राइम लॉन्च करने की घोषणा की। यह खास तौर पर भारत के रोज़मर्रा के यात्रियों के लिए तैयार की गई इलेक्ट्रिक मोबिलिटी सॉल्यूशन है। ई-लूना प्राइम आधुनिक इलेक्ट्रिक व्हीकल तकनीक का इस्तेमाल करते हुए उन लाखों यात्रियों की जरूरतों को पूरा करती है, जो किफ़ायती होने के साथ-साथ आकर्षक, प्रैक्टिकल, दमदार और भरोसेमंद निजी वाहन चाहते हैं—चाहे वे शहर में हों या ग्रामीण इलाकों में। आइकॉनिक ब्रांड ई-लूना की शानदार सफलता के बाद—जिसने अपने लॉन्च के कुछ ही महीनों में 25,000 से अधिक यूनिट्स बेची हैं—काइनेटिक ग्रीन ने अब भारत के बड़े एंट्री-लेवल कम्यूटर मोटरसाइकिल सेगमेंट में कदम रखा है। इस कड़ी में लॉन्च हुई ई-लूना प्राइम को खास तौर पर इस ग्राहक वर्ग की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। ई-लूना प्राइम को भारत की विकास यात्रा का सशक्त उत्प्रेरक माना जा रहा है।

ओप्पो ने रेनो 14 5G दीवाली एडिशन पेश किया, जिसमें है भारत के लिए उद्योग की पहली हीट-सेंसिटिव कलर-चेंजिंग टेक्नोलॉजी

नई दिल्ली: रेनो 14 सीरीज़ की जबरदस्त सफलता के बाद ओप्पो ने त्योहारों का उत्साह बढ़ाने के लिए रेनो 14 5G दीवाली एडिशन पेश किया है, जो कि खासतौर पर इंडिया के लिए डिज़ाइन किया गया है। इसमें दो विशेषताएं हैं, जो स्मार्टफोन में पहली बार मिल रही हैं। पहला है एक अनोखा कल्चरल डिज़ाइन जिसमें मांडला, मोर और त्योहारों के मोटिफ खूबसूरती से जुड़े हैं। दूसरी विशेषता है भारत के लिए उद्योग की पहली हीट-सेंसिटिव कलर-चेंजिंग टेक्नोलॉजी। इस इनोवेशन ने एक ऐसा अद्वितीय अनुभव पेश किया है, जो उतना ही सार्थक है, जितना जादुई। यह दीवाली की भावना के अनुरूप अंधेरे पर प्रकाश की जीत का प्रतीक पेश करता है। रेनो 14 5G दीवाली एडिशन 8GB+256GB वैरिएंट में 39,999 रुपये में उपलब्ध है। विशेष फेस्टिव ऑफर के अंतर्गत यह 36,999 रुपये में दिया जा रहा है। यह स्मार्टफोन मेनलाईन रिटेल आउटलेट्स, ओप्पो ई स्टोर , फ्लिपकार्ट और अमेज़न पर उपलब्ध है। इस लॉन्च के बारे में गोल्डी पटनायक, हेड - पीआर एवं कम्युनिकेशंस, ओप्पो इंडिया ने कहा, ''दीवाली प्रकाश, खुशी और मेलजोल का त्योहार है। हमारा रेनो 14 5G दीवाली एडिशन इस त्योहार की भावना को प्रतिबिंबित करता है। यह स्पेशल एडिशन भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से प्रेरित है। इसमें पवित्र मांडला और जीवंत मोर को भारत के पहले हीट-सेंसिटिव कलर-चेंजिंग डिज़ाईन में चित्रित किया गया है।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता, लोक स्वास्थ यांत्रिकी खंड, राजेन्द्र पार्क चौक दुर्ग (छ.ग.)

दूरभाष क्र. 0778-2323633, E-mail:eedurg-phe-cg@nic.in

// निविदा निरस्तीकरण सूचना//

इस कार्यालय की निविदा सूचना क्रमांक 04/05/06/तशा/का.अ./लो.स्वा.यां. खंड/दुर्ग, दिनांक 02.09.2025, सिस्टम क्र. 173671, 174708, 174710 अंतर्गत ग्राम गातापार, सांतरा, खम्हरिया (पी) हेतु आमंत्रित निविदा को अपरिहार्य कारणों से निरस्त किया जाता है।

कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड,
दुर्ग (छ.ग.)

जी-252603755/2

संपादकीय

दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा ऑटोमोबाइल बाजार भारत

भारत की प्रगति की रोज नई-नई खबरें आने का सिलसिला जारी है। इसी कड़ी में अब भारत ने जापान को पीछे छोड़ कर दुनिया के ऑटोमोबाइल बाजार में धमाकेदार दस्तक दी है। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी के अनुसार भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा ऑटोमोबाइल बाजार बन गया है, और अगले पांच साल में इस बाजार में पहले नंबर पर आने का लक्ष्य लेकर चल रहा है। गडकरी ने अंतरराष्ट्रीय वैल्यू शिखर सम्मेलन, 2025 में उस रोडमैप का ब्योरा भी दिया जिसके तहत भारत को ऑटोमोबाइल विनिर्माण, हरित गतिशीलता और बुनियादी ढांचे के नवाचार के लिए दुनिया के अग्रणी केंद्र के रूप में स्थापित करने की महत्त्वाकांक्षी योजना है। गडकरी के अनुसार सभी प्रमुख वैंकि ऑटोमोबाइल ब्रांड अब भारत में मौजूद हैं। इन ब्रांडों का ध्यान अब असेंबलिंग करने से हट कर भारत से दुनिया भर में वाहनों के निर्यात पर केंद्रित हो गया है। देखा जाए तो अकेले भारत का दोपहिया वाहन उद्योग अपने उत्पादन का आधे से ज्यादा निर्यात करता है। प्रदूषण मुक्त परिवहन के मामले में भी भारत की अग्रणी भूमिका बनी हुई है। इलेक्ट्रिक वाहनों, हाइड्रोजन ईधन और वैकल्पिक ईधनों में भारत खूब प्रगति कर रहा है। हाइड्रोजन ट्रक लॉन्च कर ही चुका है, और अनेक मागरे पर इसकी पायलट परियोजनाएं चल रही हैं। भारत का लक्ष्य हरित परिवहन में दुनिया का नेतृत्व करना है। प्रमुख वाहन निर्माता कंपनियों टाटा मोटर्स, अशोक लीलैंड और रिलायंस तथा इंडियन ऑयल जैसी तेल कंपनियों के सहयोग से सरकार ने हाइड्रोजन उत्पादन के बुनियादी ढांचे को गति देने के लिए भारी-भरकम अनुदान दिया है। वर्तमान में भारत ने आइसोब्यूटेनॉल और बायो-बिटुमेन जैसे नये ईधन विकल्पों के मामले में भी उल्लेखनीय प्रगति की है। इन ईधन विकल्पों का प्रयोगशालाओं में परीक्षण चल रहा है। गडकरी के अनुसार देश की सड़कों के बुनियादी ढांचे में भी जबरदस्त प्रगति हुई है। भारत में अब दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा सड़क नेटवर्क है। यात्रा की अवधि भी काफी घट गई है। भारत के वि में ऑटोमोबाइल बाजार में प्रमुख स्थान हासिल करने के पीछे उस प्रतिबद्धता का भी योगदान है, जिसके तहत देश के कचरा प्रबंधन के तौर-तरीके बदले हैं। कचरे का इस्तेमाल सड़क बनाने की सामग्री में किए जाने से यह भी संपदा में बदल कर देश को आगे बढ़ा रहा है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दूरदर्शी सोच

डॉ. आर. बालसुब्रमण्यम

देश लोक प्रशासन में सुधार के अभूतपूर्व प्रयास कर रहा है। अब न केवल अधिकारियों के प्रशिक्षण के तरीके बदल रहे हैं, बल्कि उनकी सेवा के मायनों में भी बदलाव आ रहा है। मिशन कर्मयोगी-लोक सेवा क्षमता निर्माण का राष्ट्रीय कार्यक्रम है और इस बदलाव में इंजन की भूमिका निभा रहा है। इसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दूरदर्शी सोच झलकती है। 25 वर्षों से अधिक समय तक सरकार चलाने और पांच दशकों से अधिक सार्वजनिक जीवन का अनुभव रखने वाले मोदी, व्यवस्थाओं के प्रति एक संचालक जैसी समझ, जड़ आदतों के प्रति एक सुधारक जैसी अधीरता, और ध्रुव तारे की तरह स्पष्ट-नागरिक-प्रथम, विकसित भारत के उद्देश्य को सामने रखते हैं। मिशन कर्मयोगी की खासियत यह है कि यह केवल दिखावे भर के लिए मानव संसाधन सुधार नहीं है। यह देश की लोक सेवाओं की मूल्य-आधारित परिवर्तनकारी पुनर्रचना है और इसका मुख्य ध्यान प्रदर्शन पर है। यह कार्यक्रम तीन निर्णायक बदलावों को संहिताबद्ध करता है: पहला बदलाव; सरकारी अधिकारियों की मानसिकता में बदलाव है, यानी स्वयं को कर्मचारी मानने से लेकर कर्मयोगी मानने तक का सफर है। दूसरा बदलाव; कार्यस्थल में बदलाव है, इसमें प्रदर्शन के लिए व्यक्तिगत ज़िम्मेदारी सौंपने से लेकर प्रणालीगत प्रदर्शन बाधाओं का निदान और उन्हें दूर करने तक का बदलाव शामिल है। तीसरा बदलाव; सार्वजनिक मानव संसाधन प्रबंधन प्रणाली और उससे जुड़ी क्षमता निर्माण प्रणाली को नियम-आधारित से भूमिका-आधारित बनाना है। यह संरचना स्पष्ट रूप से मोदी के इक्कीसवीं सदी के शासन की मांगों के दूरदर्शी ढांचे से उभर कर सामने आई है। यह जीवंत नेतृत्व का परिणाम है। मुख्यमंत्री और फिर प्रधानमंत्री के रूप में, मोदी ने एक समग्र सरकारी संस्कृति को बढ़ावा दिया-अलग-अलग क्षेत्रों में अलगाव को खत्म किया, मंत्रियों के बीच विभिन्न क्षेत्रों में बहस पर बल दिया, और फाइलों को आगे बढ़ाने की बजाय सिस्टम समाधानों को प्राथमिकता दी। यह भावना महामारी के दौरान दिखाई दी, जब सरकार, उद्योग, नागरिक समाज और नागरिक स्वयंसेवकों के सभी स्तरों पर 'टीम इंडिया' एक साझेदारी मॉडल के रूप में आगे बढ़ी। उन्होंने नेतृत्व की आदतों को संरचनाओं में भी ढाला। जो चिंतन शिविर-आवासीय, पदानुक्रम-समतल विचार-मंथन सत्र-गुजरात में शुरू किए गए थे वे अब केंद्र सरकार की कार्यपुस्तिका का हिस्सा हैं। निरंतर सीखने पर उनका बल व्यक्तिगत है। अपने ज्ञान और कौशल का निरंतर विस्तार करने के अलावा, वे यह भी जांचने के लिए जाने जाते हैं कि क्या प्रधानमंत्री कार्यालय के अधिकारी आईजीओटी डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग करते हैं। संस्थागत स्मृति के साथ उनके व्यवहार में बहुत समावेशीता है। पदभार ग्रहण करने के तुरंत बाद, उन्होंने मंत्रियों से दशकों तक एक तरह से व्यवस्था से भली-भांति परिचित अपने सहायकों और अनुभाग अधिकारियों से सीखने का आग्रह किया। जमीनी स्तर पर, सुधार की रीढ़ उद्देश्यपूर्ण तकनीक है। आईजीओटी-कर्मयोगी प्लेटफॉर्म एक व्यापक, कभी भी और कहीं भी सीखने का ईको सिस्टम है। इसमें 3,000 से ज्यादा स्व-प्रगति पाठ्यक्रम हैं जो सभी के लिए सुलभ हैं और सीखने को लोकतंत्रात्मक बनाते हैं। मिशन कर्मयोगी प्राचीन सभ्यतागत ज्ञान को आधुनिक शासन-कला के साथ जोड़ता है-विकास, गर्व, कर्तव्य और एकता जैसे संकल्पों के साथ-साथ स्वाध्याय, सहकार्यता, राजकर्म और स्वधर्म (नागरिकों पर ध्यान) जैसे व्यक्तिगत गुणों को भी समाहित करता है।

लद्दाख के जेन-जेड क्रांति से सबक सीखे भारत, अन्यथा.....!

कमलेश पांडे

केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा देने की मांग को लेकर जारी आंदोलन ने गत्वबुधवार को हिंसक रूप अख्तियार कर लिया है। इसके बाद लेह में प्रदर्शनकारी छात्रों की सुरक्षाबलों से झड़प हुई, जिसमें 4 लोगों की मौत हुई और 70 से ज्यादा घायल है। वहीं, प्रदर्शन के दौरान बीजेपी के ऑफिस और सीआरपीएफकी गाड़ी में आग लगा दी गई। चूंकि यह अतिवादी कार्रवाई है। इसलिए हिंसा पर काबू पाने के लिए पुलिस को आंसू गैस के गोले छोड़ने पड़े। वहीं, हालात को देखते हुए लेह में कर्फ्यू लगा दिया गया। बिना मंजूरी के रैली और प्रदर्शनों पर रोक लगा दी गई है।

बताते चलें कि लद्दाख को राज्य का दर्जा समेत कई मांगों पर सोशल ऐक्टिविस्ट सोनम वांगचुक विगत 15 दिनों से भूख हड़ताल पर थे। लिहाजा, उनकी मांगे पूरी न होने पर प्रदर्शनकारियों ने बुधवार को बंद बुलाया। इसी सिलसिले में सोशल मीडिया पर लोगों से लेह हिल काउंसिल पहुंचने की अपील की गई। जिसके बाद गत बुधवार को सैकड़ों की संख्या में आंदोलनकारी सड़कों पर उतरे। इसी दौरान हिंसा हुई। सरकारी सूत्रों ने कहा कि हिंसा में राजनीति से प्रेरित साजिश की बूआ रही है।

वहीं, केंद्र सरकार ने दो टूक शब्दों में कहा है कि सोनम वांगचुक के उकसाऊ बयानों से यह हिंसा भड़की है। इससे पहले वांगचुक ने हिंसा पर दुख जताते हुए अनशन तोड़ दिया। उन्होंने इन घटनाओं के लिए जेन-जेड (1997 से 2012 के बीच जन्म लेने वाली पीढ़ी) की हताशा को जिम्मेदार ठहराया और शांति की अपील की। उल्लेखनीय है कि प्रदर्शनकारियों की 4 अहम मांगें हैं- लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा, पूर्वोत्तर की तरह संवैधानिक सुरक्षा, करगिल, लेह की अलग-अलग लोकसभा सीट और सरकारी जॉब्स में में स्थानीय लोगों की भर्ती।

इससे स्पष्ट है कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और चीन के हमदर्द राहुल गाँधी जो नेपाल-बंगलादेश की तरह पूरे देश में यही कुछ चाहते थे, के मनोरथ पूर्ण होने की तरफ बात बढ़ चली है। यदि शेष भारत में गृहयुद्ध भड़कता है तो इसके लिए इस देश में केवल विपक्षी दल, कथित सिविल सोसायटी और बाहरी शक्तियाँ, यथा- अमेरिकी डीप स्टेट तथा इस्लामिक अतिवादी संस्थाएं दोषी तो होंगी ही, साथ ही साथ इस बद से बदतर स्थिति के लिए कथित राष्ट्रभक्त हिंदू और सनातन धर्म प्रेमी लोगों का एक बड़ा तबका भी होगा जो उनके इशारे पर थिरकते हैं।

ऐसा इसलिए कि आप लद्दाख की इस घटना से लेकर नेपाल के हाल-फिलहाल के वाक़ये तक इनके द्वारा लिखी व बोली गई अनाप-शनाप बातों से अंदाजा लगा सकते हैं।वास्तव में ये जाने-अनजाने में देश धर्म विरोधी तत्त्वों के हथियार बन रहे हैं। यह गम्भीर बात है। इससे संवैधानिक सफलता भी संदिग्ध हुई है। सच कहूं तो भारत के अतिसंवेदनशील केंद्र शासित प्रदेश 'लद्दाख' से जेन-जेड क्रांति का जो आगाज दिखाई-सुनाई पड़ा है, यह हमें समय रहते ही सावधान करने के लिए काफी है। यह स्थिति किसी भी लोकतंत्र के लिए शर्म की बात है। चाहे सम्बन्धित सेना हो या सिविल व पुलिस प्रशासन, यदि उनके द्वारा अमेरिकी खुफिया इकाई सीआईए द्वारा प्रोत्साहित इस कथित जेड-जेन क्रांति को सख्ती पूर्वक नहीं कुचला गया तो उनका भविष्य भी अंधकारमय हो जाएगा!

बेहतर होगा कि इस स्थिति के लिए जिम्मेदार लोगों को अविलंब कैद करके उन्हें आजीवन कारावास या फांसी की सजा दी जाए, क्योंकि उनके कुकर्मों से धन-जन की हानि हुई है, अन्यथा भारतीय लोकतंत्र में भी एक गलत ट्रेंड स्थापित हो जाएगा। एशियाई लोकतंत्र की सफलता पर सवाल उठेंगे। ऐसा इसलिए कि पश्चिमी लोकतंत्र खूनी लोकतंत्र है, पक्षपाती डेमोक्रेसी है। जिसका मकसद दुनिया भर में लोकतांत्रिक जनभावना मजबूत करना नहीं, बल्कि अपने आर्थिक व साम्राज्यवादी लाभ के लिए दुनिया में कठपुतली सरकार कायम करना है।

यही वजह है कि जेन-जेड जैसी कथित क्रांति से हो रहे सत्ता परिवर्तन और बन रही कठपुतली सरकारों को दुनियावी लोकतंत्र की सफलता के लिहाज से उचित नहीं समझा जा सकता है। इसलिए लद्दाख घटनाक्रम के बाद भारत को ठोस और प्रभावी कदम उठाने ही होंगे और इससे अपने पड़ोस को भी लाभान्वित करने की सद्भावना रखनी होगी।

कहना न होगा कि 2014 की सनातन युवा क्रांति के बाद बनी भाजपा नीत मोदी सरकार की सफलता से ही भारत, अमेरिका-चीन और अरब देशों के निशाने पर है। इसलिए श्रीलंका, अफगानिस्तान, बंगलादेश, नेपाल आदि में जो जेन-जेड क्रांति हुई, उसका मकसद भारतीय राजनेताओं और सेना के धैर्य की परीक्षा लेना था। जब हम लोकतंत्र की पैरोकारी में मजबूती पूर्वक विफल रहे तो लद्दाख जेन-जेड क्रांति हमें मुबारक कर दिया गया।

सवाल है कि यह भी प्रयोग केरल, पश्चिम बंगाल और जम्मू-कश्मीर के बजाय बौद्ध धर्म बहुल लद्दाख में करवाया गया ताकि बौद्धों के प्रति हिंदुओं के मन में नफरत पैदा हो और चीन-भारत व तिब्बत-भारत के रिश्तों में पलीता लगे। इसलिए यह कहना गलत नहीं होगा कि यदि अफगानिस्तान, श्रीलंका, बंगलादेश, नेपाल में लोकतांत्रिक तरीके से सत्ता परिवर्तन हुआ होता तो बेहतर होता। लेकिन चरमपंथियों और हिंसकों को कुचलने के बजाय स्थानीय सेना व प्रशासन द्वारा ऐसे अराजक तत्वों से बात करने से समकालीन लोकतंत्र के प्रति गलत संदेश गया है।

लिहाजा, अविलंब इसकी भरपाई के लिए संयुक्त राष्ट्र संघ, अमेरिका, रूस और चीन आदि के साथ मिलकर अराजक तत्वों पर कार्रवाई की जानी चाहिए, अन्यथा असहयोग मिलने पर भारत की सेना को ही इन पर आक्रमण करके इन्हें भारतीय भूभाग में मिला लेना चाहिए। इसके साथ ही पश्चिमी देशों व ब्रिक्स देशों जैसे लोकतंत्र के कथित दरिंदों को ग्लोबल साउथ के समक्ष बेनकाब करने की स्पष्ट रणनीति अख्तियार करनी चाहिए।

कहने का तातपर्य यह कि विधि के शासन को बहाल करने के लिए भारत व उसके पड़ोसी देशों की सेना को आपसी सांठगांठ करके व स्थानीय सिविल व पुलिस प्रशासन को भरोसे में लेकर निर्णायक कार्रवाई करनी चाहिए। इस दिशा में हर तरह की कुर्बानी के लिए भी तैयार रहना चाहिए और किसी तरह के 'कत्लेआम' से गुरेज नहीं करना चाहिए। अन्यथा भारत विकास और सुशासन की रेस में पिछड़ जाएगा। समकालीन जेन-जेड की हिंसक प्रवृति को देखते हुए लोगों को आशंका है कि जी-7 और ब्रिक्स के कतिपय चतुर सुजान देश यही अराजकता चाहते हैं, ताकि उनके गोला-बारूद की खपत बढ़े। इसी की आड़ लेकर वे दुनियावी प्राकृतिक संसाधनों को लूट सकें। इसलिए भारत को अविलंब जिला स्तर पर अपनी तैयारी को धार दी जानी चाहिए, ताकि हिंसक व अराजक तत्वों को उनकी औकात में रखा जा सके। अन्यथा यह 'खूनी लोकतंत्र' भविष्य में अमेरिकी पूंजीपतियों का गुलाम हो जाएगा। बहरहाल ये अराजकता पैदा करके हथियार बेचेंगे और भारतीय उपमहाद्वीप भी अरब व खाड़ी देशों की तरह झुलसता रहेगा। बताते चलें कि कथित पूर्ण राज्य का दर्जा और संविधान की छठी अनुसूची में शामिल करने की मांग को लेकर लद्दाख में चल रहा प्रदर्शन जिस प्रकार से हिंसक हो गया और भाजपा के कार्यालय तक को निशाना बनाया गया, उसमें भाड़े के उत्पाती शामिल नहीं हैं तो क्या हैं? यह ठीक है कि सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की अगुआई में लंबे वक्त से यह मांग उठायी जा रही है और इसे लेकर केंद्र से कई दौर की बातचीत भी हो चुकी है। लेकिन, इस दौरान इस सोच का हिंसा का हो जाना दुर्भाग्यपूर्ण और चिंताजनक दोनों है और उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए, ताकि पूरे देश में एक सही संदेश जाए।

यह ठीक है कि सरकार ने अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 और 35-ए के प्रावधान हटाने के साथ ही जम्मू-कश्मीर से अलग कर लद्दाख को केंद्र शासित राज्य बनाया था। तब सरकार ने वादा किया था कि हालात सामान्य होते ही पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल कर दिया जाएगा। लेकिन अब ऐसा लगता है कि 6 साल बाद लोगों का भरोसा और सब्र डगमगाने लगा है। फिर भी लेह में हिंसा होना दुर्भाग्यपूर्ण है। इसके पीछे विदेशी ताकतों के हाथ की पड़ताल और जम्मू-कश्मीर सरकार की परोक्ष भूमिका की जांच होनी चाहिए।

इस बात में कोई दो राय नहीं कि सोनम वांगचुक इस मुद्दे पर पिछले कई महीनों से आंदोलनरत रहे हैं। पिछले साल मार्च में भी वह 21 दिनों के आमरण अनशन पर बैठे थे। उसके बाद दिल्ली तक पदयात्रा निकाली। इस समय भी उन्होंने 15 दिनों का अनशन शुरू किया था, लेकिन एक दिन पहले दो लोगों की तबीयत बिगड़ी और हालात काबू से बाहर हो गए। यह हिंसा कतई उचित नहीं है।

चूंकि लेह में हुए प्रदर्शन को जेन-जेड का आंदोलन कहा जा रहा है। क्योंकि कुछ दिनों पहले यही पीढ़ी नेपाल में सत्ता बदल चुकी है। लेकिन, नेपाल और लद्दाख की तुलना कतई नहीं की जा सकती है। और न ही हिंसा को किसी भी तरह से जायज ठहराया जा सकता है। वैसे भी सोनम वांगचुक का पूरा आंदोलन अहिंसक रहा है। यहां तक कि सरकार से मतभेद होने पर भी उन्होंने बातचीत का रास्ता नहीं छोड़ा है। लिहाजा, उनके समर्थन में खड़े युवाओं को इसे समझना चाहिए। क्योंकि विदेशी शह प्राप्त हिंसा से उनकी समस्या और अधिक जटिल हो जाएगी। ऐसे में स्वाभाविक सवाल है कि आखिर इसका समाधान क्या हो सकता है? भारत के प्रगतिशील लोगों की राय है कि इसके लिए लद्दाख के लोगों की चिंता पर संवेदनशीलता से विचार करने की जरूरत है। क्योंकि उनमें यह डर है कि अगर शासन उनके हाथ में न रहा तो प्राकृतिक संसाधनों का अंधाधुंध दोहन होगा। चूंकि छठी अनुसूची, स्वायत्तता और स्वशासन के कुछ विशेष अधिकार देती है। इसलिए असम, मेघालय, त्रिपुरा और मिजोरम के जनजातीय क्षेत्र की तरह ही लद्दाख को भी इस सूची के तहत सुरक्षित किये जाने की पहल अविलंब की जानी चाहिए।

बताया गया है कि केंद्र सरकार और आंदोलन में शामिल लेह एपेक्स बॉडी व कारगिल डेमोक्रेटिक अलायंस के बीच आगामी 6 अक्टूबर को बातचीत प्रस्तावित है। इसलिए लोगों में यह विश्वास पैदा करना जरूरी है कि फैसलों में लद्दाख के हितों का ख्याल रखा जाएगा। इसका सबसे बेहतर तरीका पारदर्शिता है। वहीं, जनता को भी समझना होगा कि सरकार के लिए हर मांग मानना और तुरंत मानना संभव नहीं होता है। इसके लिए भी कमेटी गठित करनी पड़ती है।

जीवनधारा नदियों के लुप्त होने का खतरा: संरक्षण का संकल्प

ललित गर्ग

नदियां मात्र जलधाराएं नहीं हैं, वे जीवन की धमनियां हैं, सभ्यता की जननी हैं और प्रकृति का शाश्वत उपहार हैं। मानव सभ्यता का इतिहास गवाह है कि हर संस्कृति और हर महान नगरी का उदय नदियों के तट पर हुआ। गंगा, सिंधु, नील, अमेज़न, यांग्त्सी जैसी नदियाँ केवल भूगोल का निर्माण ही नहीं करतीं, बल्कि कृषि, व्यापार, परिवहन, ऊर्जा, आस्था और संस्कृति को भी दिशा देती हैं। विश्व स्तर पर हर वर्ष सितंबर के चौथे रविवार को मनाया जाने वाला विश्व नदी दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि नदियां हमारी अस्तित्व-रेखा हैं और उनका संरक्षण करना किसी विकल्प का नहीं बल्कि हमारे जीवन के अस्तित्व का प्रश्न है। 2005 में, संयुक्त राष्ट्र के 'जीवन के लिए जल दशक' की शुरुआत के उपलक्ष्य में, नदी अधिवक्ता मार्क एंजेलो ने विश्व नदी दिवस के गठन का प्रस्ताव रखा। यह अंतर्राष्ट्रीय प्रयास कनाडा में 1980 में एंजेलो द्वारा शुरू किए गए बीसी नदी दिवस की सफलता से प्रेरित था। विश्व नदी दिवस नदियों के महत्व को रेखांकित करता है और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर नदियों की बेहतर देखभाल-संरक्षण-संवर्धन का समर्थन करते हुए जन जागरूकता बढ़ाने का प्रयास करता है। इस वर्ष की थीम 'हमारी नदियाँ, हमारा भविष्य' है, जो नदियों की रक्षा, जल अधिकारों को बनाए रखने और नदी प्रबंधन में स्थानीय समुदायों की आवाज को सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर केंद्रित है।

संयुक्त राज्य अमेरिका का लगभग 65 प्रतिशत पेयजल नदियों से आता है, इसी तरह भारत सहित अनेक देशों में पेयजल का मुख्य स्रोत नदियां ही है। नदियां हमें बिजली पैदा करने, फसलों को पानी देने और पीने योग्य पानी उपलब्ध कराती हैं। यही कारण है कि एम्स्टर्डम, बैंकॉक और बर्लिन जैसे समृद्ध शहर नदियों के किनारे बसे हैं। दुर्भाग्य यह है कि जिन नदियों ने हमें जीवन दिया, हमने उन्हीं को प्रदूषण और विनाश की गर्त में धकेल दिया। औद्योगिक इकाइयों का रासायनिक कचरा, नगरों का गंदा पानी, प्लास्टिक और घरेलू अपशिष्ट ने नदियों को गटर में बदल दिया है। अंधाधुंध बांध निर्माण और जलविद्युत परियोजनाओं ने उनकी प्राकृतिक धारा को बाधित किया है। धार्मिक आस्थाओं और अंधविश्वासों के नाम पर मूर्तियों और अस्थियों का विसर्जन नदियों की पवित्रता को विषाक्त बना रहा है। जलवायु परिवर्तन और ग्लेशियरों के पिघलने से नदियों के अस्तित्व पर संकट गहरा रहा है। भारत में गंगा, यमुना, चंबल, साबरमती जैसी नदियां इस प्रदूषण और शोषण का शिकार हैं, वहीं विश्व स्तर पर अमेज़न, नील और डेन्यूब जैसी नदियां भी प्रदूषण और अत्यधिक दोहन की मार झेल रही हैं। पृथ्वी की आबादी का एक बड़ा हिस्सा अपनी जीविका के लिए मछलियों पर निर्भर है, इसलिए हमें औद्योगिक कचरे के कारण नदियों के क्षरण को सक्रिय रूप से रोकने और पानी के नीचे के पारिस्थितिकी तंत्र का संतुलन बनाए रखने की आवश्यकता है।

नदियां केवल जल का स्रोत नहीं बल्कि जीव-जंतुओं और वन्य जीवन की धुरी हैं। असंख्य मछलियां, कछुए, पक्षी और जलीय प्राणी नदियों से अपना जीवन पाते हैं। जब नदी प्रदूषित होती है तो यह जैवविविधता समाप्त होने लगती है, खेत बंजर हो जाते हैं, भूजल स्तर गिर जाता है और प्रकृति का संतुलन बिगड़ने लगता है। नदियों की मृत्यु वास्तव में पृथ्वी/सृष्टि की मृत्यु है। इन परिस्थितियों में यह आवश्यक है कि नदियों के संरक्षण को हम केवल सरकारी योजनाओं या नीतियों तक सीमित न रखें, बल्कि इसे जनांदोलन का रूप दें। प्रदूषण पर कठोर नियंत्रण, जल प्रबंधन, वर्षा जल संचयन, शोधन संयंत्रों की अनिवार्यता और सामाजिक जागरूकता ही वे उपाय हैं जिनसे नदियों को नया जीवन दिया जा सकता है। गंगा एक्शन प्लान और नमामि गंगे जैसी योजनाएँ तभी सार्थक होंगी जब समाज ईमानदारी से अपने हिस्से का कर्तव्य निभाएगा। नदियों को गंदा करना आत्मघात है और उन्हें बचाना जीवन रक्षा का संकल्प। भारत में कई नदियां सूखने या प्रदूषित होने के कारण मरने के कगार पर हैं। इन नदियों की हालत इतनी खराब हो गई है कि कुछ तो नालों में बदल गई हैं और उनका नदी होना भी मुश्किल है। तेजी से बढ़ते प्रदूषण, तथाकथित भौतिकवादी सोच एवं नदियों के प्रति उपेक्षा एवं दोहन के कारण कई नदियां अब 'मृत' होने की कगार पर है। गंगा और यमुना जैसी पवित्र नदियां भी दुनिया की प्रदूषित नदियों में शामिल हो चुकी है। नदियां के अत्यधिक ख़तरे में होने से मानव जीवन, पर्यावरण एवं प्रकृति भी संकट में है। जरूरत है मानसूनी जल को नदियों से जोड़ने एवं संरक्षित करने की। देश में सर्वत्र नदियों का अस्तित्व खतरे में है। विशेषत: उत्तर प्रदेश में नदियों की संख्या लगभग 1,000 है, जिनका 55 हजार किलोमीटर का नेटवर्क है। उनमें से 30 हजार किलोमीटर क्षेत्र में जल घटा है या सूखा है। प्रदेश की 100 छोटी और सहायक नदियां सूख चुकी हैं। बिहार की 50 से अधिक नदियां संकट में हैं। इनमें 32 बड़ी नदियां सूख चुकी हैं, जबकि 18 में पानी थोड़ा बचा है। यमुना नदी भारत की सबसे प्रदूषित नदियों में से एक है और यह अत्यधिक प्रदूषण और पानी के अत्यधिक दोहन के कारण मरने के कगार पर है। साहिबी नदी, जो कभी दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान की एक महत्वपूर्ण नदी थी। हैरानी की बात है कि गंगा, सोन और अघवारा जैसी बड़ी नदियों में भी पानी कम है। उत्तराखंड में अल्मोड़ा-हल्द्वानी की लाइफलाइन कोसी और गौला नदियों का जलस्तर कम हो रहा है।

जलवायु परिवर्तन के कारण वर्षा के तरीकों में बदलाव आया है, जिससे कुछ क्षेत्रों में सूखे की स्थिति बढ़ गई है और नदियों में पानी का प्रवाह कम हो गया है। नदियों से रेत का अवैध खनन भी नदियों के पारिस्थितिकी तंत्र को नुकसान पहुंचा रहा है और नदियों के बहाव को बदल रहा है। जंगलों की कटाई से मिट्टी का कटाव बढ़ रहा है, जिससे नदियों में गाद जमा हो रही है और उनकी गहराई कम हो रही है। भारत नदियों का एक अनोखा देश है जहां नदियों को पूजनीय माना जाता है। गंगा, यमुना, महानदी, गोदावरी, नर्मदा, सिंधु (सिंधु), और कावेरी जैसी नदियों को देवी-देवताओं के रूप में पूजा जाता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शासन में बनाया गया जल शक्ति मंत्रालय, नदी घाटियों में आर्द्रभूमि के पुनरुद्धार और संरक्षण और नदी प्रदूषण के खतरनाक स्तर से निपटने पर ध्यान केंद्रित करता है। देश के समक्ष वाटर विजन 2047 प्रस्तुत किया गया है यानी आजादी के सौ वर्ष पूरे होने तक देश को प्रत्येक वह कार्य करना है, जो देश को पानी के मामलों में सबल बना सके। इसमें हमारी नदियां भी शामिल हैं।

नदियां मानव अस्तित्व का मूलभूत आधार है और देश एवं दुनिया की धमनियां हैं, इन धमनियों में यदि प्रदूषित जल पहुंचेगा तो शरीर बीमार होगा, लिहाजा हमें नदी रूपी इन धमनियों में शुद्ध जल के बहाव को सुनिश्चित करना होगा। नदियों को राष्ट्रीय संपत्ति घोषित किये जाने की जरूरत है। देश में नदी जल एवं नदियों के लिए कानून बने हुए है, आवश्यक हो गया है कि उस पर पुनर्विचार कर देश के व्यापक हित में विवेक से निर्णय लिया जाना चाहिए। हमारे राजनीतिज्ञ, जिन्हें सिर्फ वोट की प्यास है और वे अपनी इस स्वार्थ की प्यास को इस पानी से बुझाना चाहते हैं। यह किसी से छिपा नहीं है कि हमारे देश में गर्मी और लू के दिन जहां बढ़ रहे हैं, वहीं बरसात के दिन घटते जा रहे हैं। ऐसे में मानसूनी वर्षा के जल को यदि सलीके से नहीं सहेजा गया तो देश की सामाजिक-आर्थिक-प्राकृतिक स्थिति पर जल-संकट का बड़ा घातक प्रभाव होगा।

विश्व नदी दिवस हमें यह चेतावनी देता है कि यदि नदियां सूख जाएंगी, प्रदूषित हो जाएंगी या विलुप्त हो जाएंगी तो मानव सभ्यता का अस्तित्व भी खतरे में पड़ जाएगा। नदियां हमारी जीवनरेखा और सांस्कृतिक धरोहर हैं, उनका संरक्षण करना ही आने वाली पीढ़ियों के लिए जीवन और आशा को बचाना है। यह अवसर हमें यह संकल्प लेने का आह्वान करता है कि हम नदियों को केवल उपयोग की वस्तु न समझें, बल्कि जीवित प्राणी की तरह उनका सम्मान करें, क्योंकि नदी बचेगी तो जीवन बचेगा, नदी बहेगी तो संस्कृति बहेगी।

इस चीज से व्रत खोलने की गलती ना करें

नवरात्रि शुरू हो चुकी है। इस दौरान 3 गलतियां करने से बचें। जिनमें व्रत खोलने से लेकर खानपान के नियम शामिल हैं। सेहत के लिहाज से ये गलतियां पाप की तरह हैं। जो स्वास्थ्य समस्याएं पैदा कर सकती हैं और व्रत के दौरान बाधा आ सकती है।

नवरात्रि व्रत की इन गलतियों के बारे में

व्रत करने से शरीर अंदर से साफ होता है और गैर जरूरी कैलोरी से दूर रहकर पाचन को मजबूती मिलती है। लेकिन, कुछ लोग नवरात्रि व्रत खोलने के लिए फाइड आलू, साबुदाना वड़ा जैसे फाइड फूड खा लेते हैं, जो कि कैलोरी बढ़ाने के साथ एसिडिटी और अपच कर सकता है।

ऐसे खोलें नवरात्रि का व्रत

नवरात्रि व्रत खोलने का हेल्दी तरीका ऐसी मील लेना है, जिसमें ताजे फल, नट्स और लौकी, कद्दू जैसी सब्जियां होनी चाहिए। यह आपकी बॉडी के लिए ज्यादा फायदेमंद होता है।

बहुत ज्यादा खाने की गलती

नवरात्रि व्रत का मतलब खाने से थोड़ी दूर बनाना है और कंप्लीट खाना दिन में सिर्फ एक बार लेना है। लेकिन लोग इसका उल्टा ही करने लगते हैं और सामान्य दिन से ज्यादा खा जाते हैं।

व्रत में कब और कितना खाएं

व्रत के दौरान एक वक्त ही खाएं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि प्लेट को भर लें। बल्कि थोड़ी मात्रा में खाना लें और पौष्टिक फल और सब्जियां शामिल करें, ताकि पूरे दिन के लिए ताकत और ऊर्जा मिले।

व्रत मतलब मिठाई समझना

यह गलती काफी ज्यादा की जाती है। लोग नवरात्रि व्रत में लस्सी, खीर, हलवा के रूप में अतिरिक्त कैलोरी और मीठा खाते हैं। जो कि शरीर में जाकर नुकसान पहुंचाती है और इंफ्लामेशन पैदा करती है। इसकी जगह आप ताजे फलों की स्मूदी व जूस पी सकते हैं।

एसिडिटी से हैं परेशान?

ये फूड्स दिला सकते हैं राहत

क्या पेट की जलन और एसिडिटी से परेशान हो गई हैं? तो यहां कुछ ऐसे फूड्स के बारे में बताया जा रहा है जो आपकी इस समस्या का हल बन सकते हैं।

एसिडिटी की समस्या काफी कॉमन हो गई है। इसकी वजह बदलता लाइफस्टाइल है। जंक फूड, मिर्च-मसाले वाला खाना, कम पानी पीने और कार्बोहाइड्रेट्स का ज्यादा सेवन करने से पेट पर असर पड़ता है। जिससे कब्ज, गैस, एसिडिटी जैसी कई तरह की परेशानियों होने लगती हैं। सड़ा-गला या ज्यादा मसालेदार खा लेने के बाद एसिडिटी की दिक्कत हो जाती है, इसमें पेट में अजीब-सा दर्द और सीने में जलन महसूस होने लगती है। एसिडिटी से परेशान होकर लोग तरह-तरह के तरीके अपनाते हैं। लेकिन क्या आप जानती हैं कि हमारे घर में मौजूद कई खाने ऐसी चीजें हैं जो एसिडिटी की परेशानी से छुटकारा दिला सकती हैं।

सेलिब्रिटी डाइटिशियन एक्सपर्ट के मुताबिक, एसिडिटी की परेशानी से बचने के लिए सबसे पहले ध्यान रखना चाहिए कि आपके दो मील्स के बीच में ज्यादा गैप ना रहे। साथ ही समय पर खाना खाने और अपने भूख लगने के सिग्नल्स को पहचानने की सलाह दी गई है।

भीगी किशमिश

एसिडिटी से राहत पाने के लिए अपने दिन की शुरुआत भीगी काली किशमिश से करनी चाहिए। एक्सपर्ट के मुताबिक, किशमिश को पूरी रात पानी में भीगाकर रख दें और सुबह उठकर सबसे पहले इसका नॉर्मल पानी के साथ सेवन किया जा सकता है। और अगर आप चाहें तो आप किशमिश जिस पानी में भीगी थी, उसका सेवन भी कर सकते हैं।

पोहा

एसिडिटी से पोहा भी राहत दिला सकता है। एक्सपर्ट के मुताबिक, भीगे पोहा को दही के साथ खाने से एसिडिटी में मदद कर सकता है। भीगा पोहा और दही को छोटी भूख के दौरान खाया जा सकता है, इससे आप ओवर इटिंग और फास्ट फूड की समस्या से भी बच सकते हैं।

गुलकंद

एसिडिटी के लिए तीसरी फायदेमंद चीज गुलकंद है। धूप में पकी गुलाब की पत्तियों और चीनी के साथ गुलकंद बनाया जा सकता है। और फिर गुलकंद को पानी में मिलाकर किसी भी टाइम पिया जा सकता है, अगर आप इसका सेवन डिनर के बाद करते हैं तो एसिडिटी में राहत मिल सकती है। गुलकंद का पानी बहुत तेज गर्मी में भी राहत दिलाता है। लाइफस्टाइल में बदलाव करके एसिडिटी की परेशानी से बचा जा सकता है।

एसिडिटी से बचने के अन्य उपाय

एसिडिटी से निपटने के कई अन्य भी उपाय हैं, जिन्हें एक्सपर्ट्स ने कारगार माना है। अपोलो स्पेक्ट्रा के मुताबिक, एसिडिटी से राहत के लिए नीचे बताई गई चीजों का सेवन किया जा सकता है।

बेकिंग सोडा - आधा चम्मच बेकिंग सोडा पानी में मिलाकर पीने से भी एसिडिटी से छुटकारा मिल सकता है।

अदरक - एसिडिटी की परेशानी से राहत के लिए अदरक को भी कारगर माना गया है। इसके लिए अदरक का छोटा टुकड़ा चबाकर खाया जा सकता है या फिर ताजी अदरक वाली चाय का भी सेवन किया जा सकता है।

एप्पल साइडर विनेगर - एक या दो चम्मच एप्पल साइडर विनेगर को एक गिलास पानी में मिलाकर भोजन से पहले पीने से एसिडिटी में राहत मिल सकती है।

ठंडा दूध - घर में दादी-नानी भी एसिडिटी में ठंडा दूध पीने की सलाह देती हैं, इसे नुस्खे को एक्सपर्ट ने भी माना है। साथ ही एसिडिटी में कच्चा केला खाने की भी कई बार सलाह दी जाती है। एसिडिटी से निपटने के लिए कई घरेलू नुस्खे कारगार माने गए हैं।

क्यों होती है एसिडिटी की समस्या?

- एसिडिटी की समस्या कई बार अपनी डाइट में बदलाव करने की वजह से भी हो जाती है। इसके अलावा कई बार यह चाय और कॉफी का बहुत ज्यादा सेवन करने की वजह से भी हो सकती है। अगर खाली पेट चाय या कॉफी पी जाए तो एसिडिटी होने के चांस बढ़ जाते हैं।
- धूम्रपान करने वाले लोग भी अक्सर एसिडिटी की शिकायत करते हैं।
- ओवरइटिंग या लिमिट से ज्यादा चटपटा और मसालेदार खाना खाने से भी एसिडिटी भी हो सकती है।
- भूख लगने पर भी भोजन नहीं करने या लंबे समय तक भूखे रहने से भी एसिडिटी की परेशानी हो सकती है।
- खाने के बाद तुरंत लेट जाने और सो जाने से भी एसिडिटी की समस्या हो सकती है। क्योंकि भोजन के तुरंत बाद लेट जाने से डाइजेस्ट ठीक से नहीं हो पाता है और एसिडिटी हो सकती है।
- जो लोग दिनभर में बहुत कम पानी का सेवन करते हैं, उन्हें भी एसिडिटी की परेशानी हो सकती है।
- बैलेंस और हेल्दी डाइट नहीं लेने की वजह से भी एसिडिटी की परेशानी हो सकती है। एसिडिटी की परेशानी से बचने के लिए अपनी डाइट में फाइबर की भरपूर मात्रा को शामिल करना चाहिए।

क्या है डैंड्रफ और सेबोरिक डर्मेटाइटिस में अंतर? बालों के लिए हैं खतरनाक

नमी और पसीने के कारण डैंड्रफ और सेबोरिक डर्मेटाइटिस जैसी स्कैल्प समस्याएं बढ़ जाती हैं। डैंड्रफ हल्की खुजली और फ्लेक्स तक सीमित रहता है, जबकि सेबोरिक डर्मेटाइटिस ज्यादा गंभीर होता है। सही पहचान, उचित देखभाल और समय पर डॉक्टर की सलाह से इन समस्याओं से बचा जा सकता है।

लगातार बनी रहने वाली नमी और पसीना सिर की त्वचा पर तेल और मृत कोशिकाओं को बढ़ा देते हैं, जिससे डैंड्रफ और कभी-कभी सेबोरिक डर्मेटाइटिस जैसी गंभीर समस्या हो सकती है। दोनों ही स्थितियों में खुजली, पपड़ी और जलन जैसे लक्षण दिखाई देते हैं, जिसके कारण सही पहचान करना मुश्किल हो जाता है। इन दोनों स्थितियों के बीच का फर्क समझना बेहद जरूरी है, ताकि समय रहते सही इलाज और देखभाल की जा सके।

डैंड्रफ क्या है?

डैंड्रफ मृत कोशिकाओं के जमाव से होती है। इसमें हल्की खुजली और सफेद या पीले फ्लेक्स नजर आते हैं। नमी और गंदगी इसे और बढ़ा देती है।

सेबोरिक डर्मेटाइटिस क्या है?

यह एक क्रॉनिक इंफ्लेमेटरी कंडीशन है। इसमें स्कैल्प, कानों के पीछे, भौहों और चेहरे पर रेडनेस, ऑयली पपड़ी और खुजली होती है। कई बार इसके लिए दवा की जरूरत पड़ती है।

दोनों में अंतर

डैंड्रफ हल्की खुजली और फ्लेक्स तक सीमित रहता है, जबकि सेबोरिक डर्मेटाइटिस में मोटी पपड़ी, सूजन और रेडनेस भी होती है।

क्यों बढ़ती है?

नमी और पसीने से स्कैल्प पर फंगस तेजी से पनपता है। गंदगी के कारण यह स्थिति और बिगड़ जाती है।

बचाव के उपाय

- बालों को माइल्ड शैंपू से धोएं।
- स्कैल्प को साफ और ड्राई रखें।
- हार्श केमिकल्स से बचें।
- नीम, टी-ट्री ऑयल जैसे प्राकृतिक उपाय अपनाएं।

विटामिन-डी हमारे शरीर का एक अहम पोषक तत्व है, जो हड्डियों को मजबूत बनाने, मांसपेशियों की शक्ति बनाए रखने, इम्युनिटी और मानसिक स्वास्थ्य को संतुलित रखने में मदद करता है। सूरज की रोशनी इसका सबसे बड़ा प्राकृतिक स्रोत है, लेकिन आज की जीवनशैली में लोग धूप से वंचित रह जाते हैं, जिससे शरीर में इसकी कमी हो जाती है। शोध बताते हैं कि समय रहते विटामिन-डी की कमी पर ध्यान न दिया जाए तो यह गंभीर बीमारियों का कारण बन सकती है।

थकान, डिप्रेशन और हार्ट अटैक का कारण बन सकती है विटामिन-डी की कमी

हड्डियों पर असर

विटामिन-डी कैल्शियम के अवशोषण में मदद करता है। इसकी कमी से हड्डियां कमजोर हो जाती हैं और ऑस्टियोपोरोसिस तथा फ्रैक्चर का खतरा बढ़ जाता है। खासकर बुजुर्ग और महिलाएं इसकी चपेट में ज्यादा आती हैं।

कमजोर इम्युनिटी

यह विटामिन इम्युन सिस्टम को मजबूत करता है। जब इसकी कमी हो जाती है तो व्यक्ति जल्दी-जल्दी सर्दी, फ्लू और अन्य इंफेक्शंस की चपेट में आ सकता है।

डायबिटीज का खतरा

विटामिन-डी इंसुलिन के कार्य को प्रभावित करता है। इसकी कमी ब्लड शुगर को असंतुलित कर सकती है, जिससे टाइप-2 डायबिटीज का खतरा बढ़ जाता है।

मानसिक स्वास्थ्य पर असर

शोध बताते हैं कि विटामिन-डी की कमी **डिप्रेशन**, चिड़चिड़ापन, उदासी और मूड डिसऑर्डर को जन्म दे सकती है। लंबे समय तक यह समस्या गंभीर मानसिक बीमारियों का रूप ले सकती है।

बालों का झड़ना

विटामिन-डी बालों के फॉलिकल्स को मजबूत बनाए रखता है। इसकी कमी से हेयर फॉल बढ़ सकता है और बाल पतले होकर टूटने लगते हैं।

हृदय रोग का खतरा

सबसे गंभीर असर दिल पर पड़ता है। विटामिन-डी की कमी से ब्लड प्रेशर और हृदय की कार्यप्रणाली प्रभावित होती है, जिससे हार्ट अटैक और स्ट्रोक का खतरा बढ़ सकता है।

थकान और कमजोरी

लगातार थकान, ऊर्जा की कमी और मांसपेशियों का कमजोर होना भी विटामिन-डी की कमी का संकेत हो सकता है।

बचाव के उपाय

- रोजाना कम से कम 20-30 मिनट धूप लें।
- मशरूम, अंडे की जर्दी, फोर्टिफाइड दूध और मछली जैसे फूड्स खाएं।
- डॉक्टर की सलाह पर सप्लीमेंट लें।
- समय रहते विटामिन-डी की कमी पर ध्यान देकर न केवल हड्डियों बल्कि दिल और मानसिक स्वास्थ्य को भी सुरक्षित रखा जा सकता है।

चकरभट्ठा उप तहसील का शुभारंभ, मुख्यमंत्री व विधायक को जताया आभार

मुंगेली(समय दर्शन)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा विधायक एवं पूर्व मंत्री पुन्नूलाल मोहले की मांग को स्वीकार करते हुए घोषित चकरभट्ठा उप तहसील कार्यालय भवन का शुभारंभ विधायक पुन्नूलाल मोहले के करकमलों से संपन्न हुआ।

उप तहसील में आएंगे 62 गांव और 10 पटवारी हल्का

शुभारंभ अवसर पर प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए तहसीलदार कुणाल पाण्डेय ने जानकारी दी कि चकरभट्ठा उप तहसील में एक राजस्व सर्किल, 62 गांव तथा 10 पटवारी हल्का शामिल किए गए हैं। नायब तहसीलदार का प्रभार दिलीप खाण्डे को सौंपा गया है। प्रारंभिक चरण में यहां पूर्ण सेटअप होने तक उप तहसील लिंक कोर्ट के रूप में कार्यरत रहेगी।

जनप्रतिनिधियों ने जताया आभार

इस अवसर पर उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने कहा कि चकरभट्ठा उप तहसील की सौगात से ग्रामीणों को बड़ा लाभ मिलेगा। उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और विधायक पुन्नूलाल मोहले के प्रति आभार व्यक्त किया।

गरिमामयी उपस्थिति

उप तहसील शुभारंभ कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीकांत पाण्डेय, जिला भाजपा अध्यक्ष दीनानाथ केशरवानी, पूर्व अध्यक्ष शैलेश पाठक, जिला पंचायत सदस्य लक्ष्मीकांत भास्कर, नगर पालिका उपाध्यक्ष जयप्रकाश मिश्रा, भाजपा उपाध्यक्ष सुनील पाठक, जिला पंचायत उपाध्यक्ष प्रतिनिधि देवचरण भास्कर, लोकनाथ सिंह, मानिकलाल सोनवानी, शिवकुमार बंजारा, रामाधार जायसवाल, मानस सिंह बैस, नानेश साहू, सोम वैष्णव, मनोहर मोहले, राकेश साहू, श्रीहरि सिंह परिहार, तहसीलदार कुणाल पाण्डेय, नायब तहसीलदार दिलीप खाण्डे सहित सरपंच, पंचगण व बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

खदान मजदूर संघ किरंदुल एवं बचेली के पदाधिकारियों द्वारा सीएमडीसी के अध्यक्ष से किया गया सौजन्य भेंट

किरंदुल (एजेंसी)। विश्व की सबसे बड़ी ट्रेड यूनियन भारतीय मजदूर संघ से संबद्ध खदान मजदूर संघ शाखा किरंदुल एवं बचेली शाखा के पदाधिकारियों एवं सदस्यों द्वारा छत्तीसगढ़ खनिज विकास निगम अध्यक्ष एवं सीएमडीसी-एनएमडीसी के निदेशक सौरभ सिंह के बचेली आगमन पर स्थानीय एनएमडीसी अतिथि गृह में आत्मीय स्वागत अभिनंदन किया गया तथा सौजन्य भेंट कर संगठनात्मक परिचर्चा की गई। इस अवसर पर दंतेवाड़ा विधायक चैतराम अटामी की विशेष उपस्थिति रही। खदान मजदूर संघ शाखा किरंदुल के सचिव महेंद्र कुमार, राजेंद्र यादव, दानेश्वर जोशी, बचेली शाखा के अध्यक्ष दीप शंकर देवांगन, सचिव सुरेश तामो, मनिलाल, अमित मिश्रा, अमित देवांगन, मुरलीधर रावटे द्वारा श्रम संघ के विस्तारीकरण को लेकर सकारात्मक परिचर्चा की गई। छत्तीसगढ़ मिनरल डेव्हलपमेंट कार्पोरेशन के अध्यक्ष सौरभ सिंह द्वारा राष्ट्रहित, उद्योगहित एवं श्रमिक हित के ध्येय वाक्य के साथ श्रमिक हितों के लिए सदैव ही तत्पर रहने वाली श्रमिक संघ को सफलता हेतु शुभकामनायें दी गई तथा सदैव ही सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया गया। विदित हो कि छत्तीसगढ़ खनिज विकास निगम का उद्देश्य छत्तीसगढ़ में प्रमुख एवं खनिज खनिजों तथा बहुमूल्य पत्थरों की खोज करना तथा खनिजों के अंवेषण एवं दोहन तथा खानों के विकास के लिए खनन अधिकार प्राप्त करना, खनिजों के उत्पादन को बढ़ाना, खनिज संसाधनों की खोज और दोहन, खनिज आधारित उद्योगों की स्थापना और संवर्धन तथा छत्तीसगढ़ में खनन के नए क्षेत्रों की खोज करना और छत्तीसगढ़ के खनन क्षेत्र का नेतृत्व कर उसे एक सुरक्षित एवं अच्छी स्थिति में बनाये रखने हेतु संरक्षित करना है।

शरीर के ऊपर बोया जवारा, ज्योति कलश के साथ 9 दिन तक चलेगा आराधना

सक्ती जिला के जनपद पंचायत जैजैपुर के अंतर्गत गौरव ग्राम पंचायत मल्दा का मामला

जांजगीर, बिर्रा (समय दर्शन)। अंचल में शारदीय क्वांर नवरात्रि के महापर्व 22 सितंबर दिन सोमवार से बड़े ही उत्साह पूर्वक ,श्रद्धा भक्ति के साथ धूमधाम से मनाया जा रहा है। बिर्रा सहित आसपास के गांवों में आदि शक्ति जगत जननी माँ भवानी अम्बे दुर्गा की मूर्ति की स्थापना करके उत्साह से श्रद्धापूर्वक सुबह शाम, पूजा अर्चना एवं भजन कीर्तन और माता जगराता भी किया जा रहा है। लेकिन इसके बावजूद गौरव ग्राम पंचायत मल्दा के रामसागर सड़क पारा निवासी एक भक्त ने जय ठकुराइन दाई माता मंदिर मल्दा में अपने शरीर के ऊपर जवारा बोकर अपने शरीर को कष्ट देते हुए 9 दिनों का अनोखा आराधना शुरू किया है। यह लगातार पूरे 9 दिनों तक चलेगा।

गौरतलब है कि नवीन जिला सक्ती के जनपद पंचायत जैजैपुर के अंतर्गत गौरव ग्राम पंचायत मल्दा में हरैया कश्यप परिवार के माता जय ठकुराइन दाई मंदिर में रामसागर सड़क पारा मल्दा निवासी रामकीर्तन कश्यप पिता रामनाथ उम्र 26 वर्ष ने जय ठाकुराइन दाई मंदिर मल्दा में सोकर अपने पूरा शरीर में जवारा बोया है। इसके बावजूद अपने शरीर के ऊपर में ज्योति कलश की स्थापना भी किया। उसका आराधना लगातार 9 दिन और नवरात तक चलेगा । यह माता भक्त राम कीर्तन कश्यप का लगातार दूसरा साल है। जय ठकुराइन दाई मंदिर मल्दा के पुजारी सुंदरलाल कश्यप और बैगा रामनाथ कश्यप एवं महेश कश्यप ने बताया कि माता के भक्त रामकीर्तन कश्यप उम्र 26 वर्ष रामसागर सड़क पारा मल्दा निवासी ने लगातार दूसरा साल इस मंदिर जय ठकुराइन दाई मंदिर मल्दा में सोकर अपने शरीर के ऊपर में पूरा शरीर भर ज्वारा बोया है। ज्योति कलश अपने शरीर के ऊपर स्थापना भी किया है ।अपने शरीर को कष्ट देते हुए उसका आराधना लगातार 9 दिन और 9 रात तक चलेगा। सुबह और शाम को आधा कप दुर्वा (दुबी) का रस पिलाया जाता है। और थोड़ा सा नींबू का रस भी पिलाया जाता है। ताकि उसका गला सुखा न पड़ जाए। माता के भक्त रामकीर्तन कश्यप लाल रंग की चुनरी बिछाकर लेटा हुआ है। पूरे शरीर के ऊपर में जवारा बोया हुआ है। यह पूरे 9 दिन और 9 रात तक चलेगा। इसी सोया हुआ अवस्था में ही रहेगा। आहार के रूप में सुबह शाम दुर्वा के रस का सेवन कर रहा है। राम कीर्तन कश्यप को माता रानी की असीम कृपा प्राप्त है। उनको क्वांर नवरात्रि में लेट कर पूरे शरीर के ऊपर ज्वारा बोने के लिए अपने कुलदेवी माता ठकुराइन दाई ने कृपा प्रेरणा दी है। माता के आदेश का पालन करते हुए रामकीर्तन ने माता ठकुराइन दाई का अटूट आस्था व विश्वास करके श्रद्धा भाव से अपने शरीर के ऊपर में जवारा बोया हुआ है। राम कीर्तन कश्यप शक्ति की भक्ति में डूबकर पूरे 9 दिन तक सोया रहेगा। राम कीर्तन कश्यप अन्न्जल में सिर्फएक अकेला भक्त है जो पूरे 9 दिन और नवरात तक सोया हुआ रहेगा। माता के भक्त राम कीर्तन कश्यप ने माता की साधना कर माता ठकुराइन दाई से आशीर्वाद प्राप्त किया है । इसके साथ ही मानव जनकल्याण और धर्म की रक्षा के लिए माता की आराधना कर रहा है। माता जय ठकुराइन दाई मंदिर मल्दा के भक्त राम कीर्तन कश्यप ने बताया कि बस माता का आशीर्वाद है जो मैं उनकी आराधना पूरा कर पाता हूं।

इस साल जय ठकुराइन दाई मंदिर मल्दा में कुल 29 ज्योति क्लस जल रहा है। तेल ज्योति कलश के लिए 801 रुपए और घृत ज्योति कलश के लिए 1251रुपए लिया जाता है। ग्राम मल्दा सहित पूरा बिर्रा अंचल के अलावा श्रद्धालु भक्त लोग बहुत दूर-दूर से जवारा एवं ज्योति कलश और माता की दर्शन करने के लिए श्रद्धालु भक्तगण पहुंच रहे हैं। पूजन अर्चना करके नारियल, मिठाई, रूपए पैसे चढ़ाकर पूजा अर्चना किया जा रहा है। इसके साथ ही मातारानी सभी श्रद्धालु भक्तों का सभी मनोकामना पूरी भी करते हैं।

रक्त दान, पौधारोपण कर मनाई सेवा पखवाड़ा, बुजुर्गों का बनाए गए आयुष्मान कार्ड

दरबार मोखली मंडल द्वारा पंडित दीनदयाल जयंती का आयोजन

पाटन (समय दर्शन)। भाजपा के दरबार मोखली मंडल द्वारा आज सिंचाई विभाग के विश्राम गृह मे सेवा पखवाड़ा के तहत पंडित दिन दयाल उपाध्याय की जयंती भी मनाई है। इस अवसर पर सुबह सफाई अभियान चलाया गया। इसके बाद भाजपा के मंडल महामंत्री सुरेश साहू के नेतृत्व मे रक्त दान शिविर का आयोजन किया गया जिसमें युवाओं ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया। अतिथियों ने एक पेड़ मां के नाम रोपण भी किया। सेवा पखवाड़ा के तहत बुजुर्गो का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन सबको निशुल्क दवाई का वितरण भी किया गया। 70 वर्ष से अधिक उम्र वाले बुजुर्गों का आयुष्मान कार्ड बनाकर उन्हें वितरण भी किया गया। भाजपा मंडल द्वारा जीतने भी युवाओं ने रक्तदान किया उन्हें हेलमेट का भी वितरण किया गया। इसके अलावा स्वास्थ्य विभाग के जितने भी कर्मचारियों ने निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर में सेवाएं दी उनका सम्मान भी किया गया। सेवा पखवाड़ा के बारे में महामंत्री भागवत सिंहा ने विस्तार से जानकारी दिया। सभी वक्ताओं ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम का संचालन लालेश्वर साहू ने किया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से जनपद अध्यक्ष कीर्ति नायक, उपाध्यक्ष कमलेश वर्मा, नगर पंचायत अध्यक्ष योगेश निक्की भाले, शरद बघेल, पूर्व मंडल अध्यक्ष खेमलाल साहू, केवल देवांगन, मंडल अध्यक्ष ज्योति प्रकाश, राजू वर्मा, सरपंच आशीष बंछोर, सुरेश साहू, भागवत सिन्हा, जनपद सदस्य भास्कर वर्मा, सरपंच हुलेश्वरी साहू, सरपंच सोनिया वर्मा, बाबा वर्मा, मुकुंद विश्वकर्मा सहित अन्य मौजूद रहें।

ग्रामोद्योग विभाग के सचिव सहसंचालक ने किया जांजगीर-चांपा में विभागीय गतिविधियों का निरीक्षण

जांजगीर-चांपा(समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ ग्रामोद्योग विभाग के सचिव सहसंचालक श्याम धावडे एवं श्री ए. आयाज, संयुक्त संचालक हथकरघा ने जिले में विभागीय गतिविधियों का व्यापक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ हैंडलूम टेक्नोलॉजी का निरीक्षण करते हुएसंस्थान के कार्यों के सुचारू संचालन हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इसके बाद उन्होंने शासकीय कोसा उत्पादन केंद्र महुदा (च) का अवलोकन कर कोसा कृमिपालकों का उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर प्रथम फसल में 143 हितग्राहियों द्वारा उत्पादित कोसा फल की राशि चालीस लाख अट्ठाइस हजार दो सौ अड़सठ रुपए का चेक हितग्राहियों को प्रदान किया गया। इसके उपरांत उन्होंने आदर्श बुनकर सहकारी समिति के बुनकर सदस्यों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं को सुना और समाधान हेतु उचित मार्गदर्शन दिया। साथ ही, बुनकारी कार्यों में अधिक आमदनी प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया।

ग्रामोद्योग से जुड़े हितग्राहियों को किया जाएगा प्रोत्साहित

छत्तीसगढ़ ग्रामोद्योग विभाग के सचिव सहसंचालक श्री श्याम धावडे एवं संयुक्त संचालक हथकरघा श्री ए. आयाज ने निरीक्षण उपरान्त कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे, सीईओ जिला पंचायत श्री गोकुल रावटे, एसडीएम जांजगीर एवं संयुक्त कलेक्टर श्री संदीप ठाकुर सहित अधिकारियों से विभागीय कार्यों को प्रोत्साहन हेतु विशेष चर्चा की गई। कार्यक्रम में सहायक संचालक रेशम श्री मधुप चंदन, सहायक संचालक श्री सौरभ सिंह ठाकुर, श्री बिहारी लाल पटेल उपस्थित रहे।

संक्षिप्त-खबर

ग्राम सांकरा युवा सरपंच रवि सिंगौर और पंचगणो ने मितानिन समूह को मितानिन सामग्री वितरण किया

पाटन (समय दर्शन)। सरपंच रवि सिंगौर ने बताया कि मितानिन समूह के द्वारा लगातार गांव बेहतर स्वास्थ्य सेवा देने पर ग्राम पंचायत के द्वारा मितानीन सामग्री प्रदान किया जिसमे इंडक्शन,10कुर्सी, कारपेट, पानी जार जिसे दैनिक मूलभूत चीजे शामिल इस अवसर पर उपसरपंच रामशरण बंधे, पंचगण तुलाराम सिंगौर, दिलेश्वरी तुरकाने, महेन्द्र पारधी, सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

जिला स्तरीय बैंकर्स समीक्षा बैठक सम्पन्न, शासकीय योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर दिया गया जोर

दुर्ग(समय दर्शन)। कलेक्टर अभिजीत सिंह के निर्देशानुसार जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री बजरंग कुमार दुबे की अध्यक्षता में जिला स्तरीय त्रैमासिक बैंकर्स समीक्षा बैठक (डीएलसीसी) विगत दिवस शाम 5.30 बजे कलेक्टर सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक में सभी जिला स्तरीय बैंक कॉर्डिनेटर एवं विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में शासकीय योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन तथा ग्रामीण क्षेत्रों के हितग्राहियों को बैंकिंग सुविधाओं के माध्यम से लाभ पहुँचाने पर विशेष जोर दिया गया।

बैठक में बताया गया कि बोरी क्षेत्र में 45 ग्रामों में केवल छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक की एकमात्र शाखा कार्यरत है। इस विषय पर विचार करते हुए नये बैंक शाखाएं खोलने की आवश्यकता पर चर्चा की गई। सीईओ श्री दुबे ने बैंकर्स से आग्रह किया कि बैंकों की साख जमा अनुपात (छ्ह्ह क्रञ्जढ्ढह्र) को बढ़ाने के लिए शासकीय योजनाओं के तहत ऋण वितरण को प्राथमिकता दी जाए।

जेवरा सिरसा स्थित बैंक ऑफ बड़ौदा शाखा के बैंक कार्डिनेटर को अनुसूचित जनजाति वर्ग के एक लंबित प्रकरण का शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिये गये। इसी प्रकार, केनरा बैंक पुरई में अनुसूचित जनजाति वर्ग के 10 लंबित प्रकरणों का जल्द निराकरण सुनिश्चित करने को कहा गया। वेटनरी विभाग से जुड़े कुल 24 ऋण प्रकरण बैंकों में लंबित पाए गए, जिनके निराकरण के लिए एक सप्ताह की समय-सीमा तय की गई है। आवास योजनाओं के अंतर्गत 348 हितग्राहियों का आधार और बैंक एनपीसीआई सीडिंग कार्य लंबित है, जिसे पूरा कर पहली किस्त की राशि शीघ्र जारी करने के निर्देश दिये गये।

शिवनाथ नदी में डूबे व्यक्ति का शव एसडीआरएफ दुर्ग की टीम ने 43 किमी सर्च ऑपरेशन के बाद किया बरामद

दुर्ग (समय दर्शन)। जिले के थाना नंदनी क्षेत्र अंतर्गत ग्राम अरसनारा स्थित शिवनाथ नदी के एनीकट में एक व्यक्ति के डूबने की सूचना कंट्रोल रूम दुर्ग को प्राप्त हुई। सूचना मिलते ही जिला सेनानी एवं अग्निशमन अधिकारी नागेंद्र कुमार सिंह के निर्देशानुसार एसडीआरएफदुर्ग की टीम तत्काल घटनास्थल के लिए रवाना हुई।

मौके पर पहुँचते ही एसडीआरएफजवानों ने गहराई में डाइविंग (डीप डाइविंग) कर सर्च ऑपरेशन शुरू किया। प्रारंभिक प्रयासों के बाद शव की तलाश को और व्यापक बनाते हुए टीम को दो भागों में विभाजित किया गया। यह टीमें ग्राम अरसनारा, सगनी, धमधा, बिरोदा होते हुए परपोडा (जिला बेमेतरा) तक लगभग 43 किलोमीटर लंबी नदी में वृहद सर्च ऑपरेशन में जुटी रहीं। लगातार प्रयासों के बाद आखिरकार एसडीआरएफकी टीम ने डूबे व्यक्ति के शव को खोज निकाला और उसे पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया। मृतक की पहचान अनील बंसल, उम्र 48 वर्ष, निवासी कादंबरी नगर, धमधा रोड, दुर्ग के रूप में हुई है। इस कठिन ऑपरेशन में एसडीआरएफ दुर्ग की टीम ने उल्लेखनीय समर्पण और दक्षता का प्रदर्शन किया, जिससे पीड़ित परिवार को राहत मिली।

आखिरकार पुलिस ने सुलझा ही लिया घोड़ारी तालाब के रहस्य, प्यार, दोस्ती और फरेब का खूनी खेल का पर्दाफाश

महासमुन्द(समय दर्शन)। बीते सितंबर 2024 की ठंडी सुबह महासमुंद के घोड़ारी तालाब की शांत लहरें अचानक एक डरावना राज़ खोल देती हैं। पानी में तैरता हुआ एक लाश का हिस्सा उस पूरे इलाके मे सनसनी फैला देता है। न नाम, न पहचान?

बस एक अज्ञात शव? पुलिस ने शव उठाया, दफ़नाया, लेकिन कहानी अधूरी रही?

साल भर तक यह राज दफ़्न रहा। मगर कहते हैं, सच किसी न किसी रास्ते से बाहर निकल ही आता है।

तीन महीने बाद गुमशुदगी के नाम पर पहली परत खुली

रायपुर के खम्हारडीह इलाके से जनवरी 2025 में एक गुमशुदगी रिपोर्ट दर्ज होती है—आकाश नाम का एक युवक गायब है। तीन महीने पहले तक उसकी तलाश नहीं की गई थी, क्योंकि परिवार को लगता था कि वह अपनी प्रेमिका लवली के साथ कहीं बस गया होगा। पर किसे पता था कि उनकी उम्मीदें अब केवल मायूसियों में बदलने वाली थीं।

आकाश, लवली और अभिनव के रिश्ते कहानी की जड़ें 2023 के भी राज खोलते हैं। आकाश और अभिनव, दोनों दोस्त थे। हादसे के बाद हुई मुलाकाते ने दोस्त बना दिया। आकाश अक्सर अभिनव के घर आने-जाने लगा। लेकिन वही घर, उसकी बर्बादी का कारण बन गया।

अभिनव की गर्लफ्रेंड लवली से आकाश की नजदीकियां बढ़ीं और

अगस्त 2024 में दोनों ने घर से भागकर शादी कर ली।

यह रिश्ता किसी फिल्मी स्क्रिप्ट से कम नहीं जान पड़ता। प्यार, बगावत और भाग जाना। मगर इसने जलन और विश्वासघात की चिंगारी को जन्म दिया। अभिनव की आंखों में बदले की आग सुलगने लगी।

मिली जानकारी के अनुसार लवली के पिता और भाई भी उसी आग में शामिल हो गये। क्योंकि अभिनव ही लवली के नाम से फ्लैट और खर्चे उठाता था। उनके लिए आकाश सिर्फबाधा था।

बिछा मौत का जाल

25 सितंबर 2024ङ लवली के पिता ने आकाश और लवली को अभिनव के घर बुलाया। आकाश अनजान था कि यह बुलावा मौत का न्योता है? घर के भीतर माहौल बिगड़ा।

पहले बहस, फिर हाथापाई और आखिरकार कत्ल।

अभिनव, लवली का पिता अभिलाख और उसके भाई गौरव-वीरू ने मिलकर आकाश को पीट-पीटकर मार डाला।

कत्ल के बाद शव को छुपाना इनके लिए जरूरी हो गया था। एक स्कूटी पर आकाश की निर्जीव देह रखी गई। और रात के अंधेरे में वह महासमुंद की तरफनिकले। अभिनव पहले से घोड़ारी तालाब का इलाका देख चुका था, इसलिए उसी जगह को चुना गया। 27 सितंबर को पानी ने शव को बाहर ला दिया और पुलिस के सामने रहस्य का एक नया मोड़ खड़ा कर दिया।

हत्या के बाद लवली ने चालाकी से आकाश की बुआ के घर जाकर सामान समेटा और पिता-भाइयों के साथ यूपी के जालौन लौट गई। वह बीच-बीच में सोशल मीडिया पर आकाश के साथ अपनी पुरानी तस्वीरें डालती रही, ताकि सबको लगे दोनों साथ हैं। इस नाटक ने पुलिस को भी महीनों तक गुमराह किया।

पुलिस की मेहनत रंग लाई और सच की हुई जीत

2025 में कोतवाली पुलिस ने राज्य स्तरीय क्राइम डेटा खंगाला। आकाश के हुलिए से मिलती जानकारी रायपुर की गुमशुदगी रिपोर्ट से जुड़ गई। फिर जांच की दिशा बदल गई।

लवली को पिरदा स्थित उसके घर से उठाया गया। पूछताछ में उसका चेहरा ही सब बयां कर गया। उसने कबूल किया—आकाश की हत्या उसके पुराने आशिक अभिनव, पिता और भाइयों ने मिलकर की थी।

साल भर बाद मिला न्याय

24 सितंबर 2025 को कब्र खोली गई। वह शव, जो कभी अज्ञात था, अब आकाश के रूप में पहचाना गया। पुलिस ने बॉडी उसके परिजनों को सौंप दी। एक साल तक इंतजार के बाद परिवार को बेटे का अंतिम संस्कार करने का अवसर मिला।

इस सनसनीखेज़ मामले मे पुलिस ने हर बारीकियों पर पैनी नजर से पूरी संवेदनशीलता से आखिरकार सच को सामने लाकर खड़ा कर दिया, इस मामले के गुनेहगार लवली सिंह, अभिनव सिंह, अभिलाख सिंह, गौरव और वीरू को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

हत्या, षड्यंत्र और साक्ष्य मिटाने की धाराओं में मामला दर्ज हो चुका है। यह कहानी सिर्फएक त्रिकोण पारेम कहानी ही नहीं है, बल्कि प्यार, दोस्ती और धोखे के उस खतरनाक खेल की गवाही है, जिसमें पुलिस अपना काम करते हुए, कानून अपराधी को उसकी सजा देती है और सच को सामने लाती है।

खबर-खास

स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट स्कूल में किया गया सायकिल वितरण

नंदिनी अहिवारा (समय दर्शन)। नंदनी खुंदनी में सरस्वती सायकल योजना अंतर्गत छात्राओं को सायकिल वितरण किया गया जिसमें ग्राम पंचायत नंदनी खुंदनी सरपंच श्रीमती खुशबू घनश्याम यादव,उपसरपंच लोकेश जैन,शाला विकास समिति के अध्यक्ष डॉ.आर. डी.पटेल,प्रभारी प्राचार्य डी के मढ़रिया,पूर्व सरपंच घनश्याम यादव,अर्चना मैडम,परवीन मैडम,देवेन मैडम,पाण्डेय मैडम,स्वामी सर सहित बच्चों के पालक उपस्थित रहे,बच्चों ने सायकिल प्राप्त कर खुशी जाहिर किए और साला आने में और आसानी होगी ऐसी अपनी बात रखे।

अमलेश्वर मंडल में सेवा पखवाड़ा, रक्त दान शिविर का किया आयोजन

पाटन (समय दर्शन)। सेवा पखवाड़ा के तहत रक्तदान शिविर का आयोजन ग्राम जीत के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर किया गया जिसमें प्रमुख रूप से मंडल अध्यक्ष कमलेश चंद्राकर सभापति जिला पंचायत श्रीमती नीलम चंद्राकर सांसद श्रीमती कीर्ति नायक जनपद पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि श्री राजेश चंद्राकर श्री दयानंद सोनकर नगर पालिका अध्यक्ष कैलाश यादव महामंत्री राजू साहू कोषाध्यक्ष एवं सरपंच डॉ आलोक पाल पार्षद श्रीमती गायत्री साहू सरपंच श्रीमती लक्ष्मी देवांगन श्रीमती मधुमंता साहू श्री फेर राम ढीमर जी धर्मेंद्र सोनकर जी शिव साहू जी विकास सोनी जी देव पाटकर जी प्रकाश चंद्राकर जी संदीप चंद्राकर जी पन्नालाल बंजारे जी विनोद चंद्राकर मोहन साहू जी भेज सोनकर जी सरपंच कार्तिक निषाद जी एवं भाजपा समर्पित कार्यकर्ताओं की पावन उपस्थिति में संपन्न हुआ।

जिले के 90 कृषकों का दल ऑयल पॉम खेती हेतु भ्रमण एवं प्रशिक्षण हेतु रवाना

मुंगेली(समय दर्शन)। जिले के 90 कृषकों का दल ऑयल पॉम की खेती हेतु तकनीकी प्रशिक्षण एवं भ्रमण के लिए बागबाहरा के बालेसर के लिए जिला पंचायत के कृषि स्थाई समिति के सभापति उमाशंकर साहू एवं उद्यानिकी विभाग की उपसंचालक सुश्री भगवती साहू ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर उपसंचालक सुश्री साहू ने बताया कि जिले में अधिक से अधिक ऑयल पाम की खेती की जानी चाहिए। उन्होंने बताया कि भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजना के अंतर्गत ऑयल पाम की खेती हेतु किसानों को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जा रही है तथा जिले में इस फसल की अपार संभावनाएं मौजूद हैं। उन्होंने बताया कि बालेसर पहुँचने पर प्री यूनिक एशिया प्राइवेट लिमिटेड के ऑफिसर देवेंद्र कुमार तिवारी द्वारा कृषकों को उन्हें ऑयल पाम की खेती की उन्नत तकनीक, रखरखाव तथा फसल से होने वाले आर्थिक लाभ की जानकारी दी जाएगी। कृषकों के साथ उद्यानिकी विभाग से बी. पी. सिंह (जी. एस. मुंगेली विकासखंड), आर.एच.ई.ओ. नवीन यादव एवं रामभरोस साहू मौजूद रहे। इस अवसर पर स्थानीय प्रगतिशील कृषक, जो पिछले आठ वर्षों से ऑयल पाम की खेती कर रहे हैं, उन्होंने भी अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि यह फसल पारंपरिक फसलों की तुलना में अधिक लाभकारी है।

प्रदेश सरकार गांव और शहर के संतुलित विकास पर दे रही जोरः उपमुख्यमंत्री साव

उपमुख्यमंत्री साव ने लोरमी को दी करोड़ों की सौगात

मुंगेली(समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ रजत जयंती वर्ष के अवसर पर आयोजित ''आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान, शहर समागम'' एवं 'स्वच्छता संवाद' कार्यक्रम में आज उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने नगर पालिका परिषद लोरमी क्षेत्र के कबीर भवन में अतिरिक्त सुविधाओं के विस्तार कार्य का लोकार्पण कर इसे जनता को समर्पित किया। इसके साथ ही, उन्होंने नगर के विकास को गति देते हुए 5.23 करोड़ रुपये की लागत के तीन नए कार्यों का भूमिपूजन भी किया, इन परियोजनाओं में नगर उद्यान निर्माण कार्य, बाबाधाम मुक्तिधाम सौंदर्यीकरण कार्य, तथा ब्राह्मणपारा मुक्तिधाम सौंदर्यीकरण कार्य शामिल हैं, जिनसे नगर की सुंदरता बढ़ेगी और नागरिकों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री साव ने कहा कि जनभावनाओं के अनुरूप लोरमी क्षेत्र का व्यवस्थित विकास करना मेरी जिम्मेदारी है। उन्होंने सभी नागरिकों से अपील की कि वे अपने नागरिक कर्तव्यों का पालन करते हुए लोरमी को एक स्वच्छ और सुंदर शहर बनाने में सहयोग करें, ताकि स्वच्छता के मामले में लोरमी प्रदेश में शीर्ष स्थान पर पहुँच सके। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के विकास में सरकार पूरी प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। बीते 20 महीनों में करोड़ों रुपए के विकास कार्य पूरे हो चुके हैं और आगामी समय में भी करोड़ों रुपए की योजनाएं धरातल पर उतरेंगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार गांव और शहर के संतुलित विकास पर जोर दे रही है। लोरमी नगर को सुविधाओं से परिपूर्ण बनाने तथा स्वच्छ और सुंदर शहर का स्वरूप देने का प्रयास किया जा रहा है। प्रदेश सरकार जनता की अपेक्षाओं के अनुरूप विकास कार्यों को पूरा करने के लिए संकल्पबद्ध है।

नवरात्रि पर बरगा में बंजारी सहित मोहल्लों में भी हो रही मां की आराधना

साजा (समय दर्शन)। पावन नवरात्रि पर्व पर ग्राम बरगा का वातावरण भक्ति और उल्लास से सराबोर है। बरगा में सैकड़ों मनोकामना ज्योति प्रज्ज्वलित की गयी हैं, जहां क्षेत्र भर के श्रद्धालु प्रतिदिन दर्शन करने आते हैं। खेतों की हरियाली के बीच स्थित बंजारी मंदिर वर्तमान में मनमोहक लग रही है। व्यवस्थापक कन्हैयालाल पाल , पीलुराम साहू, धर्मेन्द्र वर्मा और गंगदेव साहू ने बताया कि मां बंजारी में हर वर्ष मनोकामना ज्योति बढ़ती जा रही है, गांव स्तर में माता जी की संध्या आरती क्रमशः समय में होती है जिससे ग्रामीण दर्शालु प्रतिदिन सभी जगह सम्मिलित हो पाते हैं।

ग्राम के विभिन्न पारा में देवी के विविध स्वरूप

मां दुर्गोत्सव समिति मंडल पारा द्वारा पुराना दुर्गा मंच में मां अम्बे विराजित की गयी है, बजरंग दुर्गोत्सव समिति बजरंग पारा के द्वारा महावीर चौंक में मां अम्बे और श्री सरस्वती सेवा समिति पटेल पारा के द्वारा बस स्टैण्ड में मां सरस्वती के रूप में माता के अलौकिक स्वरूप स्थापित किए गए हैं। इन दरबारों में श्रद्धालुओं की दिनभर भीड़ उमड़ रही है। सजावटों में भी विशेष ध्यान दिया गया है। प्रतिदिन विधि पूर्वक मां को अलग अलग भोग लगाया जाता है तथा उन्ही भोग को श्रद्धालुओं में प्रसादी के रूप में वितरण किया जाता है।

दुर्गासप्तशती पाठ और रात्रि में भक्ति संगीतमय आयोजन

नवरात्र के दिनों में दिनभर दुर्गासप्तशती पाठ की गूंज वातावरण को पवित्र बना रही है। वहीं रात को ढोलक और मांदर की थाप पर माता रानी की पचरा, सेवा जस और भक्ति गीतों का संगीतमय आयोजन ग्रामवासियों को मंत्रमुग्ध कर रहा है।

दुर्गा जस सेवा समिति, मां शितला जुड़वासोत्सव जस सेवा समिति और मां बंजारी सेवा समिति पटेल पारा द्वारा रोज रात्रि माता जी की संगीतमय सेवा किया जाता है।

देवी जगराता का हुआ आयोजन

26 सितम्बर को श्री मातृरूपेण देवी जगराता परिवार बीजा बैरागी द्वारा मण्डल पारा चौंक में देवी जगराता का आयोजन हुआ जिसका आनंद लुप्त सभी ग्रामवासी ने उठाया। इस देवी जगराता का आयोजन समिति सदस्य ओम प्रकाश पाल और परिवार द्वारा आयोजित किया गया था।

विधायक भावना बोहरा ने दिलाई बहुप्रतीक्षित मांग पांडातराई में उप तहसील स्थापना की स्वीकृति

जनता को मिलेगी सुविधा

कवर्धा (समय दर्शन)। पंडरिया विधायक भावना बोहरा की कार्यशैली, सक्रियता एवं जनता की सुविधाओं के लिए तत्परता से जनता की बहुप्रतीक्षित मांगे पूरी हो रही हैं। वर्षों से नगर पंचायत पांडातराई को उप तहसील बनाने की मांग थी, जो पंडरिया विधायक भावना बोहरा के प्रयासों से पूरी हुई। मंगलवार को नगर पंचायत पांडातराई में उप तहसील स्थापना की स्वीकृति दी गई है। इस सौगात के लिए भावना बोहरा ने नगरवासियों को बधाई देते हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा का आभार व्यक्त किया।

विधायक भावना ने कहा कि जन संपर्क के दौरान नगर पंचायत इंदौरी व आस-पास के क्षेत्र में पांडातराई में लगातार उप तहसील की स्थापना की मांग आती रही। इस मांग को पूरा करने के लगातार प्रयास का सकारात्मक परिणाम आज मुख्यमंत्री एवं राजस्व मंत्री ने जनता की मांग को पूरा करते हुए अपनी स्वीकृति दी है। इस सौगात से क्षेत्रवासियों को अब भू-राजस्व से जुड़े विभिन्न कार्यों एवं प्रशासकीय कार्यों के लिए अब तहसील कार्यालय आने-जाने की समस्या से निजात मिलेगा। यह न केवल एक प्रशासनिक उपलब्धि है, बल्कि हमारे सामाजिक और आर्थिक विकास की दिशा में एक सशक्त कदम है। इस उप तहसील की स्थापना से एक सुव्यवस्थित और स्थानीय प्रशासनिक इकाई के माध्यम से जन शिकायतों और आवश्यकताओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित होगा।साथ ही सभी सेवाएँ उनके घर व ग्राम के नजदीक उपलब्ध होंगी जिससे जनता के समय एवं संसाधनों की बचत भी होगी। यह उप तहसील हमारी जनता के लिए सुशासन, सुविधा और विकास का प्रतीक बनेगा। यह उप तहसील हमारे क्षेत्र के नागरिकों के लिए एक ऐसा केंद्र बनेगी, जहाँ उनकी प्रशासनिक आवश्यकताएँ सरलता और त्वरित गति से पूरी होंगी।

उन्होंने कहा कि यह उप तहसील न केवल प्रशासनिक कार्यों को गति देगी, बल्कि यहाँ के कर्मचारी जनता की समस्याओं को सुनने और उनका त्वरित समाधान करने के लिए तत्पर रहेंगे। यह एक ऐसी व्यवस्था होगी जो पारदर्शिता, जवाबदेही और जनसेवा के मूल्यों पर आधारित होगी।

सत्तीचौरा माँ दुर्गा मंदिर, गंजपारा में दादी राणी सती के मंगलपाठ में झूम उठी महिलाएं..

दुर्ग (समय दर्शन)। श्री सत्तीचौरा माँ दुर्गा मंदिर, गंजपारा, दुर्ग के क्वांर नवरात्र पर्व के अवसर पर पांचवे दिवस चौथ तिथि को दादी राणी सती जी के मंगलपाठ का आयोजन किया गया जिसमें भारी मात्रा में चुनरी वाली साड़ी पहनकर महिलाएं मां दुर्गा मंदिर आये,और भजनों की प्रस्तुति में खूब झूमे. दादी आई है, मेरी मैया मेरे घर आई रे', 'आज है दादी अमावस्या', 'श्रीराणी सती दादी की जय', 'दे दे थोड़ा प्यार दादी' जैसे भक्ति भजनों पर महिलाएं जमकर झूमी। मौका था- दादी परिवार सत्तीचौरा माँ दुर्गा मंदिर महिला समिति द्वारा आज 26 सितम्बर को आयोजित राणी सती दादीजी के मंगलपाठ का। महोत्सव में परशुराम महिला मंडल दुर्ग की महिलाओं ने अमृतवाणी से श्रद्धालुओं को कथामृत का रसपान कराया गया। मंगल महोत्सव में महिलाओं ने भी दादी का मंगल पाठ किया। कार्यक्रम की आयोजिका एवं महिला सदस्य वीणा सुधीर राठी ने बताया कि ने बताया कि मंगल पाठ के दौरान दादीजी के जन्म प्रसंग के दौरान कई श्रद्धालुओं ने उपहार के रूप में चाकलेट, खिलौने, मिठाइयां, लड्डू व अन्य वस्तुएं बांटी एवं शिक्षा की रस्म में सभी उपस्थित छोटे छोटे बच्चों को कॉपी पेन का वितरण किया गया, कथा में दादी जी के विवाह रस्म अजोजक समित्ति की महिलाओं ने सभी उपस्थित महिलाओं को मेहदी एवं हल्दी लगाई और सती होने तक की सभी रस्मों का मंचन किया गया। जन्मोत्सव के दौरान बधाइयां लेने के लिए बड़ी संख्या में महिलाएं व कन्याएं उमड़ी। और माता जी का गाना नाचो गाओ खुशी मनाओ झूमो रे सब आज, मां आई घर आपने सब मंगल गाओ रे गा कर पूरे कार्यक्रम स्थल में धर्मलीन करे दिया..

महोत्सव में अखंड ज्योत, जन्मोत्सव, बधाई उत्सव, मुकलावा उत्सव व महाप्रसादी आकर्षण का केंद्र रहा। छोटे छोटे बच्चों को आकर्षित झांकी के रूप में सजाई गई थी, जिसे देख सभी उपस्थित जन झूम उठे

पाठ के दौरान माता जी की स्कूली शिक्षा की कथा में छोटे छोटे बच्चों की स्कूल बैग रखकर झांकी प्रस्तुत की गई जिसमें दादी चली स्कूल पढ़ने को गाना गाया गया

दादी जी के विवाह प्रसंग में मेहंदी हल्दी की रस्म की गई जिसमें मेहंदी रची थारी हाथा में गाने में सभी झूमती रही उसके बाद दादी जी के मंगल विवाह प्रसंग में सभी महिलाओं को चुनरी भेट की गई जिसे पहनकर सभी महिलाएं माता के विवाह में शामिल हुए और माता की चुनरी पहनकर विवाह प्रसंग में बारात में नाचे, कार्यक्रम में खाटू श्याम बाबा और बालाजी महाराज के भजनों का भी सुमधुर गायन किया गया।

कार्यालय नगर पालिक निगम, दुर्ग

नामांतरण सूचना विज्ञप्ति क्रमांक 26 वर्ष 2025-26

सर्वसाधारण को सूचना दी जाती है कि छ.ग. नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 धारा 167 के अंतर्गत निम्नलिखित व्यक्तियों के उनके नाम के सामने भुमि भवन स्वामित्व परिवर्तन हेतु आवेदन किया है।

संबंधित हित वाले व्यक्ति सूचना प्रकाशन के 15 दिनों के अंदर अपने आपत्ति लिखित में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। समयावधि के पश्चात् आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा।

क्र.	ना.प्र.क्र.	क्रेता का नाम	विक्रेता का नाम	वार्ड क्रमांक	नाम परिवर्तन का आधार जिस पर दावा/आपत्ति की जानी है
695	695	सनत कुमार तिवारी/ स्व. रमाकांत	नागेन्द्र कुमार तिवारी/ स्व. रमाकांत	वार्ड कं. 28 पचरीपारा दुर्ग	पंजीकृत दानपत्र
696	696	सनत कुमार तिवारी/ स्व. रमाकांत	प्रदीप कुमार तिवारी/ स्व. रमाकांत तिवारी	वार्ड कं. 28 पचरीपारा दुर्ग	पंजीकृत दानपत्र
697	697	विद्या साहू/ स्व. दुकालू राम साहू	किशोर कुमार पाटिल/ स्व. सूर्यकांत पाटिल	वार्ड कं. 51 बोरसी दुर्ग	पंजीकृत बयनामा
698	698	पूर्णिमा वर्मा/ जितेन्द्र वर्मा	पी.ओ. अप्पाचन/ ए.ओउसेफे	वार्ड कं. 56 बघेरा दुर्ग	पंजीकृत बयनामा, फार्म बी 1- पी 2
699	699	सोनाली टावरी/ श्री राजेश टावरी	रामचंद चिकवा/ श्री मूलचंद	वार्ड कं. 55 पुलगांव दुर्ग	पंजीकृत बयनामा
700	700	प्रवीण भोजने/ स्व. एस.जी. भोजने, जीजा बाई भोजने/ स्व. एस.जी. भोजने	सुरेश / गोपाल राव भोजने, स्मिता नरेन्द्र राव बेलसरे/ स्व. एस.जी. भोजने एवं अन्य 1	वार्ड कं. 42 कसारीडीह दुर्ग	हकत्याग पत्र
701	701	आकांक्षा सिंह/ शरद कुमार सिंह, अथिति सिंह/ शरद कुमार सिंह	रंजीत कौर सोनी/ इंद्रपाल सिंह सोनी	वार्ड कं. 52 बोरसी दुर्ग	पंजीकृत बयनामा
702	702	पवन कुमार देवांगन/ स्व. खेममल देवांगन	मीलन राजपूत/ स्व. महेन्द्र सिंह राजपूत, महेश कुमार यादव/ स्व. सियाराम यादव	वार्ड कं. 09 गिरधारी नगर दुर्ग	पंजीकृत बयनामा
703	703	प्रकाश सांखला / प्रेमराज जैन, इंदर चंद जैन/ प्रेमराज जैन, नरेश चंद जैन/ प्रेमराज जैन	सावित्री देवी/ स्व. प्रेमशंकर तिवारी, श्याम कुमार तिवारी/ स्व. प्रेमशंकर तिवारी, सावित्री देवी तिवारी/ प्रेमशंकर तिवारी, शालिनी बाजपेयी/ प्रेमशंकर तिवारी	वार्ड कं. 30 तमेरपारा दुर्ग	पंजीकृत बयनामा
704	704	रूपेश कुमार यादव/ ईश्वरी प्रसाद यादव	मालती बागड़े/ ज्ञानू बागड़े	वार्ड कं. 58 उरला दुर्ग	पंजीकृत बयनामा
705	705	पल्लवी रमन/ संकल्प भगत	सुमीत खेतान एवं कामिनी यादव/ कीर्ति कुंमार यादव	वार्ड कं. 16 सिकोला बस्ती दुर्ग	पंजीकृत बयनामा
706	706	बलजीत अरोरा/ राजेन्द्र अरोरा	डी. जयश्री/ डी. मल्लेशु, डी. मल्लेशु/ डी. चंद्रेय्या	वार्ड क्र. 59 कातुलबोर्ड दुर्ग	पंजीकृत बयनामा
707	707	सोना दत्ता/ स्व. सुबोध कुमार दत्ता, लीना दत्ता/ स्व. सुबोध कुमार	सुबोध कुमार दत्ता/ श्रीपद दत्ता	वार्ड क्र. 59 कातुलबोर्ड दुर्ग	फार्म बी 1-पी 2, मृत्यु प्रमाणपत्र
708	708	आशीष कुमार माइकल बारा/ स्व. लिओस बारा, कल्पना पन्ना/ आशीष कुमार माइकल बारा	फिलिसिटा बारा/ लिओस बारा	वार्ड क्र. 49 बोरसी दुर्ग	सम्पदा अधिकारी छ.ग. गृह निर्माण मंडल प्रक्षेत्र दुर्ग (छ.ग.) का आदेश दिनांक 30.01.2025
709	709	सुलोचना चौहान/ सुशील कुमार चौहान	सृष्टि प्रतीक महल्ले/ प्रतीक महल्ले	वार्ड क्र. 52 बोरसी दुर्ग	पंजीकृत बयनामा
710	710	नीलम चौहान/ मयंक सिंह चौहान, मयंक सिंह चौहान/ सुशील कुमार चौहान	विजय कुमार महल्ले/ स्व. गंगाराम महल्ले	वार्ड क्र. 52 बोरसी दुर्ग	पंजीकृत बयनामा
711	711	विष्णु यादव/ स्व. दयाराम यादव	मीना बाई/ दयाराम यादव	वार्ड क्र. 58 उरला दुर्ग	मृत्यु प्रमाणपत्र, ऋण पुस्तिका
712	712	शांतनु सिंह/ स्व. महेन्द्र सिंह राजपूत	महेन्द्र सिंग/ छत्तर सिंग राजपूत	वार्ड क्र. 35 रामदेव मंदिर दुर्ग	आपसी बंटवारानामा
713	713	सुषमा अग्रवाल/ शशांक अग्रवाल	मुकेश देवांगन/ सूरज प्रसाद देवांगन	वार्ड क्र. 13 मोहननगर दुर्ग	पंजीकृत बयनामा
714	714	बसंती बाई/ ताराचंद	श्रीमती खेतबाई/ भोमराज जैन	वार्ड कं. 05 मरारपारा दुर्ग	हकत्याग पत्र
715	715	अपुर्बा कुमार बिस्वास/परेश चंद्र बिस्वास	हिम्मत लाल/ धनजी भाई मारू	वार्ड कं. 25 गायत्री मंदिर दुर्ग	पंजीकृत बयनामा
716	716	कस्तूरी शर्मा/ श्री शंकर शर्मा	आकांक्षा जोशी/ गिरिश जोशी	वार्ड क्र. 12 मोहननगर दुर्ग	पंजीकृत बयनामा
717	717	मंजू कोठारी/ स्व. निर्मल कोठारी	निर्मल कोठारी/ स्व. आसकरण कोठारी	वार्ड क्र. 46 पद्मनाभपुर दुर्ग	सम्पदा अधिकारी छ.ग. गृह निर्माण मंडल प्रक्षेत्र दुर्ग (छ.ग.) का आदेश दिनांक 30.06.2025
718	718	आलोक अग्रवाल/ किरण सिंह अग्रवाल	प्रीति गोदवानी/ ईश्वर गोदवानी	वार्ड क्र. 13 मोहननगर दुर्ग	पंजीकृत बयनामा
719	719	टंकेश्वर प्रसाद शर्मा/ पुरन प्रसाद शर्मा	प्यारी बाई/ पुरन प्रसाद शर्मा	वार्ड क्र. 02 राजीव नगर दुर्ग	ऋण पुस्तिका, फार्म बी 1- पी 2
720	720	मनीषा/ डी.आर. रूनवाल	लखविन्दर सिंह/ स्व. हरनाम सिंह	वार्ड क्र. 50 बोरसी दुर्ग	पंजीकृत बयनामा
721	721	प्रवीण सिंह/ मोहन सिंह कश्यप, सौरभ सिंह, प्रियंका सिंह दोनो के पिता मोहन सिंह कश्यप	मोहन कश्यप/ बसंत कश्यप	वार्ड क्र. 49 बोरसी दुर्ग	मृत्यु प्रमाणपत्र, ऋण पुस्तिका
722	722	सीमा छूरा/ श्री उधब छूरा	गोवर्धन/ एन.एम. कुस्टुफरआशमां बेगम/ मोहम्मद असराईल	वार्ड क्र. 51 बोरसी दुर्ग	पंजीकृत बयनामा

राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम दुर्ग

।। न्यायालय तहसीलदार बसना, जिला महासमुंद (छ.ग.)।।

// उद्घोषणा//

क्रमांक/157 /क/वाचक / तह. / 2025
बसना, दिनांक 22/09/2025

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचनार्थ प्रकाशन कराया जाता है कि आवेदक श्रीमती हेमलता साहू पति स्व. साहसराम साहू जाति तेली निवासी गोड़पाली पोस्ट झलप तहसील महासमुन्द व काश्तकार ग्राम बंसुला प.ह.न. 35. रा.नि.म. बसना तहसील बसना जिला महासमुंद द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया है कि ग्राम बंसूला में स्थित भूमि ख.नं. 110/2, 129/7 रकबा क्रमशः 0.17, 0.03 कुल खसरा नंबर 02 कुल रकबा 0.20 हे. भूमि राजस्व अभिलेख में दर्ज होकर स्थित है। आवेदिका के पति स्व. साहसराम जी का फौती काटकर विधिक वारिसानों का नाम दर्ज किये थे जिसमें त्रुटिवश आवेदिका हेमलता साहू का नाम छूट गया था। उक्त भूमि के खाता में आवेदिका का नाम दर्ज किये जाने हेतु आवेदन इस न्यायालय में पेश किया गया है। उक्त संबंध हल्का पटवारी से प्रतिवेदन लिया गया।

अतः आवेदक के आवेदन अनुसार ग्राम बंसुला में स्थित उक्त वर्णित भूमि को आवेदक के नाम दर्ज किये जाने से जिस किसी संस्था / व्यक्ति को आपत्ति हो तो वे दिनांक 06.10.2025 तक न्यायालय में उपस्थित होकर दावा पेश कर सकते हैं, बाद में प्राप्त दावा पर विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 22.09.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

मुहर

तहसीलदार
बसना

कार्यालय कलेक्टर दुर्ग (छ.ग.) एवं पदेन संयुक्त सचिव छत्तीसगढ़ शासन राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग

सार्वजनिक सूचना

क्रमांक/1311/भू-अर्जन/आ.क्र.नि.-16 दिनांक 19.09.2025

चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची में वर्णित भूमि की दनिया उद्वहन सिंचाई के अंतर्गत पहुंच मार्ग एवं चेंबर निर्माण कार्य हेतु ग्राम- दनिया, प.ह.नं. 04, रानिमं. बोरी, तह. बोरी, जिला दुर्ग (छ.ग.) के भूमि की सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है, अतः राज्य शासन द्वारा छत्तीसगढ़ शासन की आपसी सहमति से क्रय नीति-2016 के प्रावधानों के तहत अनुसूची में वर्णित भूमि को कार्यपालन अभियंता तांदुला जल संसाधन संभाग दुर्ग (छत्तीसगढ़) के पक्ष में क्रय करने पर विचार किया जा रहा है.

स.क्र.	भूमिस्वामी का नाम व पिता व पति का नाम	क्रय की जाने वाली भूमि का विवरण		स्थावर संपत्तियों का विवरण
		खसरा नंबर	प्रभावित रकबा हे. एवं परिसम्पत्ति	
01	कृष्णा पटेल पिता हरिराम	1453/1	0.0030	-
योग	कुल कृषकगण- 01	01	0.0030	-

02- यह भी सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को भूमि के स्वत्व के विषय में कोई आपत्ति हो तो सूचना के प्रकाशन की तिथि के 15 दिवस के भीतर अपना दावा आपत्ति आधार सहित लिखित में कलेक्टर दुर्ग के समक्ष स्वयं अथवा अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से प्रस्तुत कर सकता है.

(अभिजीत सिंह)
कलेक्टर जिला दुर्ग (छ.ग.)
एवं पदेन संयुक्त सचिव, छत्तीसगढ़
राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग

जी- 252603707/1

नेशनल बॉल बैडमिंटन चैंपियनशिप के लिए जिले के 8 खिलाड़ी तमिलनाडु रवाना

महासमुंद(समय दर्शन)। 44वीं सब-जूनियर एवं 71वीं सीनियर नेशनल बॉल बैडमिंटन चैंपियनशिप 2025 बालक एवं बालिका वर्ग का आयोजन दिनांक 25 से 28 सितंबर 2025 तक तमिलनाडु में आयोजित किया गया है। छत्तीसगढ़ टीम का कोचिंग कैंप भिलाई के बॉल बैडमिंटन खेल परिसर सेक्टर-4 में दिनांक 15 से 22 सितंबर तक एवं सब-जूनियर कैंप धमतरी में आयोजित किया गया था, जिसमें प्रदेश से बालक एवं बालिका दोनों वर्गों में 14-14 खिलाड़ी शामिल हुए, जिसमें जिले से राहुल, लक्ष्मी, दामिनी, गीतांजलि, सविता, ढालेन्द्र यादव, सागर चंद्राकर, मुकेश निषाद एवं जीतू ध्रुव शामिल हुए। कोचिंग कैंप में शानदार प्रदर्शन करने वाले 10 बालक एवं 10 बालिका खिलाड़ियों की अंतिम चयन सूची जारी किया गया। चयनित खिलाड़ियों में महासमुन्द जिले से सीनियर वर्ग में राहुल कुर्रे पिता लाला राम कुर्रे, लक्ष्मी चंद्राकर पिता नरेश चंद्राकर, दामिनी वर्मा पिता स्व. भोला राम, सब जूनियर खिलाड़ियों में गीतांजलि साहू पिता भानु साहू, सविता जोशी पिता बीर सिंह जोशी, ढालेंद्र यादव पिता जोधन यादव, सागर चंद्राकर पिता संतोष चंद्राकर, जीतू ध्रुव पिता महेश ध्रुव व टीम मैनेजर मोहन राव, कोच रणविजय तथा सब जूनियर प्रशिक्षक डॉ. सेवन दास मानिकपुरी महासमुंद एवं सूरज नायक बालिका प्रशिक्षक पूनम निषाद व सीनियर वर्ग में प्रशिक्षक इसरार अहमद खान दुर्ग व मैनेजर रिचा तिवारी दुर्ग शामिल है। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले खिलाड़ियों को खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा ट्रैक सूट प्रदान किया गया है। नेशनल बॉल बैडमिंटन चैंपियनशिप में शामिल होने पर खिलाड़ियों को विधायक महासमुन्द योगेश्वर राजू सिंहा, जिलाध्यक्ष येतराम साहू, बादल मक्कड़, छत्तीसगढ़ राज्य बॉल बैडमिंटन संघ महासचिव वाय. राजाराव, श्यामल बैनर्जी, आनंद साहू, अध्यक्ष जिला एथलेटिक्स संघ पंकज चंद्राकर, खेल अधिकारी मनोज धृतलहरे, सेवन दास मानिकपुरी व्यायाम शिक्षक, अंकित जैन सचिव जिला बॉल बैडमिंटन संघ महासमुंद, विनय भारद्वाज, भूषण साहू, गजेन्द्र यादव, नरेश चंद्राकर, तारिणी चंद्राकर द्वारा शुभकामनाएं दी गई।

संक्षिप्त-खबर

सिलादेही वासी एयरटेल नेटवर्क की समस्या से परेशान

बिर्रा (समय दर्शन)। सिलादेही गाँव के निवासी इन दिनों एयरटेल नेटवर्क की गंभीर समस्या से जूझ रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि पिछले कई सप्ताहों से नेटवर्क इतना खराब हो गया है कि ना तो ठीक से कॉल लगती है और ना ही इंटरनेट चलता है।

ग्रामीणों का कहना है कि पढ़ाई, ऑनलाइन कामकाज, बैंकिंग सेवाएँ, और यहां तक कि आपातकालीन संपर्क भी बुरी तरह प्रभावित हो रहे हैं। क्षेत्र में कई युवा ऑनलाइन प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं, लेकिन नेटवर्क की समस्या के कारण उन्हें काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों ने एयरटेल ग्राहक सेवा से कई बार शिकायत की, लेकिन कोई स्थायी समाधान अब तक नहीं मिला है। कुछ लोगों ने दूसरे नेटवर्क पर जाने का भी विचार किया है, लेकिन क्षेत्र में अन्य नेटवर्क की भी स्थिति संतोषजनक नहीं बताई जा रही है।

ग्रामीणों की माँग: लोगों ने प्रशासन और एयरटेल कंपनी से अपील की है कि जल्द से जल्द तकनीकी टीम भेजकर नेटवर्क समस्या का स्थायी समाधान किया जाए, ताकि गांव में संचार व्यवस्था सामान्य हो सके।

किकिरदा में तीन दिवसीय जसगीत एवं जगराता कार्यक्रम 29 से

जांजगीर (समय दर्शन)। चित्रोत्पला महानदी के तट पर स्थित किकिरदा में तीन दिवसीय जसगीत एवं जगराता कार्यक्रम का आयोजन 29 से प्रारंभ होगा जिसमें विशेष झांकी के प्रस्तुति देंगे।

जैजैपुर ब्लॉक के किकिरदा में जय मां विशेश्वरी युवा समिति द्वारा 3 दिवसीय जसगीत एवं जगराता कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है,जिसमें सप्तमी 29 को जय मां महामाया जसगीत पार्टी,अष्टमी 30 को जय मां समलाई जसगीत पार्टी बोरदा द्वारा विशेष झांकी कि प्रस्तुति देंगे,वही नवमी 1 को स्तुति मानस एवं जस जगराता द्वारा माता के भजनों का प्रस्तुति देंगे। वही कार्यक्रम कि तैयारी को लेकर जय मां विशेश्वरी युवा समिति के सदस्य जूट गये हैं।

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश जिला दुर्ग (छ.ग.) द्वारा केन्द्रीय जेल दुर्ग का किया गया निरीक्षण

दुर्ग (समय दर्शन)। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश जिला दुर्ग (छ.ग.) द्वारा मुख्यालय स्थित केन्द्रीय जेल दुर्ग का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में महिला प्रकोष्ठ में निरूद्ध महिला बंदियों से उनकी प्रकरण की स्थिति, स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता, भोजन की गुणवत्ता, साफसफाई एवं स्वच्छता व्यवस्था के संबंध में जानकारी ली गई। तत्पश्चात प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश जेल अस्पताल में बीमार बंदियों के स्वास्थ्य के बारे में व्यक्तिगत चर्चा कर उनकी समस्याओं और आवश्यकताओं से अवगत हुए। कम्प्यूटर प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे बंदियों से उनके प्रकरण में बारे में जानकारी ली। जेल में बंदियों के द्वारा बनाये जा रहे एल.ई.डी. बल्ब, आचार, फर्नीचर एवं अन्य सामग्रियों के प्रचार हेतु जिला न्यायालय दुर्ग परिसर में बोर्ड लगाने के निर्देश दिये। निरीक्षण के दौरान उन्होंने जेल में सजायाफ्ता बंदियों के अपील संबंधी प्रकरणों को अद्यतन करने एवं बंदियों को प्रकरण की वर्तमान स्थिति से अवगत कराने के निर्देश जेल अधिकारियों को दिये। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने बंदियों से सीधे बातचीत कर उनकी समस्याओं को सुना और उनकी दैनिक दिनचर्या से संबंधित जानकारी प्राप्त की। नव आगंतुक बंदियों को उनके प्रकरण से संबंधित जानकारी प्राप्त करने के विषय में बताया गया तथा जो बंदी निजी अधिवक्ता नियुक्त नहीं कर सकते हैं, उन्हें जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा नि:शुल्क विधिक सहायता सलाह प्रदान कर उनकी पैरवी हेतु नि:शुल्क अधिवक्ता की नियुक्ति किए जाने की जानकारी दी गई। जेल प्रशासन को ऐसे बंदी जिन्हें परिहार का लाभ दिया जा सकता है, उनके आवेदन के लंबित रहने के कारणों सहित जानकारी प्राधिकरण को प्रेषित किए जाने हेतु निर्देशित किया गया। उन्होंने स्वच्छता का विशेष ध्यान देने पर जोर देते हुए जेल अधीक्षक को स्पष्ट रूप से निर्देशित किया कि बंदियों को प्रदान की जाने वाली सभी मौलिक सुविधाएं, जिनमें स्वच्छ वातावरण, पौष्टिक भोजन, नियमित चिकित्सा जाँच और शिक्षा के अवसर भी सम्मिलित हैं, को बिना किसी व्यवधान के प्रदान किया जाना सुनिश्चित की जाए।

पैदल डोंगरगढ़ जा रही युवती को कुचलने वाले गिरतार

दुर्ग (समय दर्शन)। भिलाई से मां बम्लेश्वरी के दर्शन करने पैदल डोंगरगढ़ जा रही युवती को कार में कुचलने वाले वाहन को पुलिस ने जब्त कर लिया है साथ ही वाहन मालिक रजत सिंह, नयन सिंह, राजू कुमार धुर्वे और नाबालिग को गिरफ्तार किया है।

बता दें कि 24 सितंबर की रात भिलाई की रहने वाली 21 वर्षीय महिमा साहू मां बम्लेश्वरी के दर्शन करने पैदल डोंगरगढ़ जा रही थी इसी दौरान सोमनी थानाक्षेत्र के ग्राम मनकी के पास नेशनल हाईवे में एक तेज रफ्तार थार कार के चालक ने लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाते हुए उसे अपनी चपेट में ले लिया था जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई थी। मामले में पुलिस ने वाहन चालक के खिलाफ अपराध दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी थी। जांच के बाद पुलिस ने थार कार क्रमांक सीजी 04 क्यू 8007 को जब्त कर लिया है तथा वाहन मालिक रजत सिंह, नयन सिंह, राजू कुमार धुर्वे और एक नाबालिग को भी गिरफ्तार किया है। मामले में पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धारा 106, 61(2), 238 बीएनएस और मोटर वाहन अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है।

पशु मेला व चिकित्सा शिविर में पशुपालकों ने लिया बढ़-चढ़कर हिस्सा

राजनांदगांव (समय दर्शन)। पशुधन विकास विभाग द्वारा शुक्रवार को पशु चिकित्सालय राजनांदगांव परिसर में विकासखण्ड स्तरीय पशु मेला, प्रदर्शनी एवं चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिलेभर से बड़ी संख्या में पशुपालकों ने भाग लिया।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती किरण वैष्णव रहीं। उन्होंने मेले का अवलोकन करते हुए पशुपालकों को आधुनिक तकनीक अपनाने और योजनाओं का लाभ उठाने की सलाह दी। मेला स्थल पर दुधारु गाय, बछड़ा, बछिया, भैंस, बैल और उन्नत नस्ल के बकरे प्रदर्शित किए गए। इन पशुओं को देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए आसपास के गांवों से आए पशुपालक अपने पशुओं को सजा-धजाकर लाए थे।

मेले में चारा प्रसंस्करण, यूरिया उपचार, साइलेज निर्माण, अजोला उत्पादन जैसे विषयों पर आधारित स्टॉल लगाए गए। इन स्टॉलों पर पशुपालकों ने गहरी रुचि दिखाई और तकनीकी जानकारियां प्राप्त कीं।

कार्यक्रम में आए पशुओं का मौके पर टीकाकरण और स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। कुछ पशुओं में बीमारी के लक्षण पाए जाने पर उन्हें आगे उपचार के लिए पशु चिकित्सालय रेफर किया गया।

डॉ. तरुण रामटेके और डॉ. अशोक जैन द्वारा पशुपालकों को राष्ट्रीय पशुधन मिशन योजना, बकरी व मुर्गी पालन, फार्मिंग मॉडल, स्वरोजगार की संभावनाएं और अन्य हितग्राही योजनाओं की जानकारी दी गई। पशुपालकों ने इस प्रशिक्षण को बेहद लाभकारी बताया। मेले के अंत में प्रतियोगिता के विजेता पशुपालकों को सम्मानित किया गया। दुधारु गाय वर्ग में गिरधर यादव और संदीप यादव को, बछिया वर्ग में जसवंत साहू, जितेन साहू और झांसी साहू को, बकरी और भेड़ वर्ग में टिकेश कुमार यादव, मुजीब बिलाल, आशीष देशलहरे सहित 6 अन्य पशुपालकों को प्रशस्ति पत्र और पुरस्कार प्रदान किए गए।

पिथौरा में जिला सीईओ ने अधिकारियों को लगाई फटकार

जांच पूरी हो गयी है तो रिपोर्ट क्यों अटकी है-जिला सी ई ओ

करोड़ों के फर्जीवाड़े मामले में डोंगरीपाली के ग्रामीणों ने उठाया जांच प्रतिवेदन में देरी का मुद्दा

पिथौरा(समय दर्शन)। महासमुंद जिला सीईओ ने अधिकारियों को फटकार लगाते हुए मामले के संबंध में कहा - जांच पूरी हो गयी है तो रिपोर्ट क्यों अटकी है? करोड़ों के फर्जी मामले में डोंगरीपाली, ग्रामीणों ने उठाया जांच प्रतिवेदन में देरी का मुद्दा। महासमुंद जिला सीईओ पिथौरा ब्लॉक के डोंगरीपाली में जिला सीईओ का आगमन हुआ।

उनके द्वारा स्कूलों में जाकर किस तरह से बच्चों को पढ़ाया जा रहा है जायजा लिया गया। ग्रामीणों से मिली आवेदन के अनुसार शिकायत को लेकर शिकायतकर्ता एम.डी. सागर, खिरोद पटेल, अमितेष बरिहा, और ग्रामीणों के द्वारा जिला सीईओ से पंचायत में हुए जांच के, जांचप्रतिवेदन के लिए मांग करिये हुए बताए कि किस तरह से जनपद पंचायत पिथौरा और अधिकारियों द्वारा घुमाया जा रहा है। जिला सीईओ ने अधिकारियों को कहा कि जांच अगर पूर्ण हो गया है तो क्यों इतने दिन तक घूमा क्यों रहे हो।

जिला अधिकारी के पड़ाव पश्चात आश्वासन दिया गया है कि जल्द ही जांच प्रतिवेदन मिल जाएगा।

आपको बता दे कि मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत पिथौरा के आदेश द्वारा जांच टीम दिनांक 09/09/2025 को पंचायत भवन डोंगरीपाली पहुँचे थे और लगातार तीन दिन तक जांच चलने पर पता चला कि लगभग 2 करोड़ 50 लाख रुपए सरकार द्वारा डोंगरीपाली पंचायत के विकास कार्य के लिए दिया गया था, जिसमें से पंचायत सचिव हजारीलाल केवर्त और पूर्व सरपंच अहिल्या बरिहा के द्वारा 50 से 60 लाख रुपए तक का ही बिल पेश किया गया, बाकी सारा पैसा साहू इंटरप्राइजेज को भुगतान कर दिया गया है ।

और इनके पास बिल एक भी नहीं है, और ना ही एक भी कार्य कार्यस्थल पर दिखा पाए?

अब सवाल यह उठता हैं कि जांच प्रतिवेदन के लिए इतना विलंब क्यों?

बता दे आपको जांच अधिकारी, रामनारायण पटेल आ.वि.अ. ग्रा. यां. से. उपसंभाग पिथौरा, गुलाब प्रसाद सामल स.आ.ले.प.क.अ. जनपद पंचायत पिथौरा, डी.एल. बरिहा वि.वि.अधिकारी, जसवंत सिंह पैकरा उपअभियंता,

इनके द्वारा कहा गया था कि, 3 दिवस के भीतर जांच प्रतिवेदन मिल जाएगा, लेकिन आज 15 दिवस पूर्ण हो चुका है,अभी तक कोई जांच प्रतिवेदन शिकायत कर्ता को नही दिया गया है।

आर. एन. पटेल को पूछे जाने पर कहते है कि, सचिव हमे कुछ कुछ दस्तावेज नहीं दे रहे है।

वहीं ग्राम पंचायत डोंगरीपाली में जांच अधिकारियों और ग्रामीणों की उपस्थिति में सचिव स्वयं बोला है कि मेरे पास सिर्फये 50 से 60 लाख रुपए का दस्तावेज ही है। बाकी सब साहू इंटरप्राइजेज को जो भुगतान हुआ है उसका एक भी बिल नही है। लेकिन अधिकारियों द्वारा जानबूझकर सरपंच सचिव और साहू इंटरप्राइजेज के मालिक को बचाने का प्रयास किया जा रहा है। और शिकायतकर्ता एंव ग्रामीणों को इधर-उधर की बाते करके गुमराह किया जा रहा है।

जनपद पंचायत सीईओ

जनपद सीईओ का कहना है कि जो जांच अधिकारी बनकर गए थे, वही लोग देंगे मैं भी उनको बोल चुका हूं, जितना जल्दी हो सके जांच प्रतिवेदन दे दो, और जांचकर्ता अधिकारी कहते है सीईओ सर आदेश करेंगे तभी दे पाएंगे, लेकिन पता नहीं इन जांच अधिकारियों पर किसका इतना दबाव है कि वह प्रतिवेदन नहीं दे पा रहे है।

निर्वाचक नामावलियों के विशेष गहन पुनरीक्षण हेतु राजनीतिक दलों की बैठक सम्पन्न

बेमेतरा (समय दर्शन)। भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली के निर्देशानुसार विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों के विशेष गहन पुनरीक्षण-2025 की कार्यवाही जिले में प्रारंभ हो चुकी है। इसी क्रम में आज कलेक्टर श्री रणबीर शर्मा की अध्यक्षता में जिला स्तरीय राजनैतिक दलों की बैठक आयोजित की गई ।बैठक में बताया गया कि वर्ष 2003 एवं वर्ष 2025 की मतदाता सूची का मिलान किया गया है। इसमें जिन मतदाताओं का नाम दोनों सूचियों में पाया गया उन्हें ‘.’ श्रेणी में तथा जिन मतदाताओं का नाम वर्ष 2025 की सूची में है, जबकि उनके माता-पिता का नाम 2003 की सूची में पाया गया, उन्हें ‘क्क’ श्रेणी में शामिल किया गया है। अब तक जिले में 65.56 प्रतिशत मतदाताओं का सफलतापूर्वक मिलान किया जा चुका है और इसका डाटा एंट्री कार्य प्रगति पर है।

कलेक्टर ने बताया कि जैसे मतदान केन्द्रवार क्क्रह (क्क्षश्हल्द्ध स्द्ग1द्दद्य ह्लद्धद्दद्गह्लह्व) की नियुक्ति की जाती है, उसी प्रकार निर्वाचन आयोग ने Booth Level Agent (क्क्र) की नियुक्ति की व्यवस्था भी की है। इसके लिए सभी राजनीतिक दलों से आग्रह किया गया कि वे अपने-अपने क्क्र की सूची (नाम एवं मोबाइल नंबर सहित) दिनांक 07 अक्टूबर 2025 तक कलेक्टर कार्यालय को उपलब्ध कराएँ ।निर्वाचन आयोग द्वारा दिनांक 09 एवं 10 अक्टूबर 2025 को विधानसभा स्तर पर Orientation Program आयोजित किया जाएगा, जिसमें Booth Level Agents को मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया एवं कार्यप्रणाली संबंधी प्रशिक्षण दिया जाएगा ।कलेक्टर श्री शर्मा ने कहा कि शुद्ध एवं त्रुटिरहित निर्वाचक नामावली तैयार करने में क्क्षश्हल्द्ध स्द्ग1द्दद्य-द्दद्गठ्ठह्लह्य की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। अत: सभी राजनीतिक दल अपने प्रतिनिधियों की नियुक्ति समय-सीमा के भीतर सुनिश्चित करें, ताकि निर्वाचक नामावलियों को और अधिक पारदर्शी एवं विश्वसनीय बनाया जा सके। बैठक में आयोग के निर्देशों के अनुरूप जिले में प्रस्तावित कार्ययोजना की विस्तृत जानकारी साझा की गई तथा आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। कलेक्टर श्री शर्मा ने कहा कि निर्वाचन प्रक्रिया को पारदर्शी, निष्पक्ष एवं व्यवस्थित बनाए रखने में सभी राजनीतिक दलों की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि सभी सुझावों का स्वागत किया जाएगा और प्रत्येक मतदान केन्द्र पर नियुक्त बूथ लेवल ऑफिसर के माध्यम से कार्यवाही की जाएगी। नवीन मतदान केन्द्रों की सूची अनुमोदन उपरांत सभी राजनीतिक दलों को उपलब्ध कराई जाएगी, जिसके आधार पर प्रत्येक केन्द्र में बूथ लेवल एजेंट (क्क्र) की नियुक्ति कर जानकारी साझा करना आवश्यक होगा ।बैठक में यह जानकारी दी गई कि वर्ष 2003 एवं वर्ष 2025 की मतदाता सूची का मिलान कराया गया है। इसमें जिन मतदाताओं का नाम दोनों सूचियों में पाया गया उन्हें ‘.’ श्रेणी तथा जिन मतदाताओं का नाम 2025 की सूची में शामिल है किन्तु उनके माता-पिता का नाम वर्ष 2003 की सूची में पाया गया, उन्हें ‘क्क’ श्रेणी में रखा गया है। इस प्रकार जिले में अब तक 65.56 प्रतिशत मतदाताओं का सफलतापूर्वक मिलान किया जा चुका है और इसकी डाटा एंट्री का कार्य प्रगति पर है। कलेक्टर ने यह भी बताया कि निर्वाचक नामावली में नाम दर्ज कराने हेतु वर्ष भर चार अर्हता तिथियां 01 जनवरी, 01 अप्रैल, 01 जुलाई और 01 अक्टूबर निर्धारित की गई हैं। नाम जोड़ने के लिए फॉर्म-6, नाम हटाने के लिए फॉर्म-7 तथा संशोधन, स्थानांतरण, डुप्लीकेट ईपिक कार्ड अथवा दिव्यांगजन को चिह्नित करने हेतु फॉर्म-8 का उपयोग किया जा सकता है।

आंगनबाड़ी केंद्र खाम्ही कुर्मी में पूरक पोषण माह 2025 का सफल आयोजन

मुंगेली(समय दर्शन)। आंगनबाड़ी केंद्र खाम्ही कुर्मी, सेक्टर खम्हारिया में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सरोज बंजारे के मार्गदर्शन में दिनांक 24 सितंबर 2025 को पूरक पोषण माह 2025 का सफल आयोजन किया गया। इस अवसर पर गर्भवती महिलाओं की गोद भराई, अन्न प्राशन संस्कार, नवजात शिशुओं की उचित देखभाल तथा कुपोषित बच्चों को एनआरसी ले जाने हेतु प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम के दौरान महिला एवं बाल विकास विभाग, छत्तीसगढ़ की विभिन्न योजनाओं की जानकारी हितग्राहियों और ग्रामवासियों को दी गई। इनमें प्रमुख रूप से ङ्कमातृत्व वंदना योजना सुकन्या समृद्धि योजना, नोनी सुरक्षा योजना साथ ही गर्भवती एवं शिशुवती माताओं को पूरक पोषण आहार की महत्ता बताई गई। ग्राम में मिलने वाली हरी-भाजी को भोजन में शामिल करने, रेडी टू ईट आहार की गुणवत्ता और छह माह तक केवल स्तनपान को सर्वोत्तम मानने पर विशेष चर्चा की गई ।कार्यक्रम में महिला पर्यवेक्षक श्रीमती लक्ष्मीन सोनवानी, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता कौशल्या साहू, हेमिन साहू, सुषमा ध्रुव, दानेश्वरी पाटले, सहायिकाएं गायत्री बारले, विमला पाटले, पूजा मानिकपुरी, सविता मानिकपुरी, हितग्राही प्रेमा लहरें, सोनबाई बंजारे, धार्मिन साहू, रोशनी कश्यप, सहायक शिक्षिका घनश्याम लहरें, प्रधान पाठक, महिला स्वयं सहायता समूह की सदस्याएँ एवं समस्त ग्रामवासी उपस्थित रहे। सभी के सहयोग से पूरक पोषण माह 2025 का कार्यक्रम उत्साहपूर्वक एवं सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

संभाग स्तरीय काव्य पाठ प्रतियोगिता का सफल आयोजन

दुर्ग (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ राज्य गठन के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर रजत जंयती 2025-26 के उपलक्ष्य में विवेकानंद सभागार पद् ?मनाभपुर, उत्तई रोड, जिला जेल के सामने जिला-दुर्ग में संभाग स्तरीय काव्य पाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ श्रीमती उमा कांती सिंह प्राचार्य सेठ बद्रीलाल खण्डेलवाल महाविद्यालय दुर्ग, डॉ अशोक तिवारी सहायक प्राध्यापक, श्री मोती लाल साहू व्याख्यता सेजस कुम्हारी, श्री ए. एक्का सहायक संचालक खे. यु. क. राजनांदगाव, त्वामी विवेकानंद जी की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलित किया गया। प्रतियोगिता में दुर्ग संभाग के (दुर्ग, बालोद, बेमेतरा, राजनांदगाव, मानपुर-मोहला चौकी कबीरधाम एवं खैरागढ़) से लगभग 112 पंजीकृत बालक बालिकाओं ने भाग लिया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर श्री नावेश चन्द्र साहू (राजनांदगाव), द्वितीय स्थान पर श्री भावेश देशमुख (चौरागढ़) एवं तृतीय स्थान पर श्री सूरज प्रकाश (दुर्ग) रहें। इन्हे खेल एवं युवा कल्याण विभाग जिला- दुर्ग द्वारा क्रमश: 15000 रूपए, 10,000 रूपए, 5,000 रूपए एवं प्रतीक चिन्ह प्रदान किया गया। दुर्ग संभाग स्तरीय युवा काव्य प्रतियोगिता में चयनित प्रथम तीन युवाओं को राज्य स्तरीय युवा काव्य पाठ प्रतियोगिता के लिए चुना गया। राज्य स्तरीय युवा काव्य पाठ प्रतियोगिता दिनांक 04 अक्टूबर 2025 को पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम रायपुर में सम्पन्न होगी।

समापन समारोह दुर्ग महापौर श्रीमती अलका बाघमार, पार्षद श्री लीलाधर पाल, पार्षद श्री ज्ञानेश्वर ताम्रकार एवं जिले के अधिकारीगण सम्मिलित हुए। कार्यक्रम के निर्णायक डॉं अभिषेक पटेल (सहायक प्राध्यापक), श्री अर्जुन कश्यप (व्याख्यता) एवं डॉ. वनिता राजपुत (शिक्षक) रहें।

भिलाई निवासी शकुन्तला टंडन ने सोलर ऊर्जा से घटाया बिजली बिल

सफलता की कहानी

दुर्ग (समय दर्शन)। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से आमजन को हो रहा लाभ अब दिखाई देने लगा है। भिलाई निवासी श्रीमती शकुंतला टंडन ने अपने घर की छत पर 2 किलोवाट क्षमता की रूफ्टॉप सोलर पैनल यूनिट स्थापित की है। उन्हें इस योजना के तहत केंद्र सरकार से ?62,000 तथा राज्य सरकार से ?30,000 की सब्सिडी प्राप्त हुई है।

श्रीमती शकुन्तला टंडन के अनुसार, उन्होंने 13 दिसंबर 2024 से अब तक 3,590 यूनिट सौर ऊर्जा का उत्पादन किया है, जिसमें से 1,000 यूनिट बिजली विभाग को विक्रय भी किया गया है। उन्होंने बताया कि उन्हें इस महत्वाकांक्षी योजना की जानकारी अपने आसपास के लोगों और बच्चों से मिली। खुशी व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि इस योजना से उनके घर के बिजली बिल में भारी कमी आई है और अतिरिक्त उत्पादन से आय भी अर्जित हो रही है। उन्होंने कहा, मैं सभी से अपील करती हूँ कि इस योजना का लाभ उठाकर अपने घरों में सोलर पैनल अवश्य लगवाएँ और मार्च 2027 तक एक करोड़ घरों में रूफ्टॉप सोलर पैनल लगाने के लक्ष्य को पूरा करने में योगदान दें।

गौरतलब है कि प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत 3 किलोवाट क्षमता की रूफ्टॉप सोलर यूनिट लगाने पर प्रति माह 300 यूनिट तक बिजली खपत करने वाले परिवार को सालाना लगभग ?15,000 की बचत का आश्वासन दिया गया है।

आवासीय रूफ्टॉप सौर ऊर्जा के लिए केंद्रीय वित्तीय सहायता (सीएफए)

प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत 2 किलोवाट क्षमता वाले सिस्टम के लिए सिस्टम लागत का 60 प्रतिशत और 2 से 3 किलोवाट क्षमता वाले सिस्टम के लिए अतिरिक्त सिस्टम लागत का 40 प्रतिशत सीएफए प्रदान किया जाता है। सीएफए की अधिकतम सीमा 3 किलोवाट है। मौजूदा बेंचमार्क कीमतों के आधार पर, 1 किलोवाट सिस्टम के लिए 30,000 रूपए, 2 किलोवाट सिस्टम के लिए 60,000 रूपए और 3 किलोवाट या उससे अधिक सिस्टम के लिए 78,000 रूपए की सब्सिडी दी जा रही है।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्पलेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर,
समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26